mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-273 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
02 सितंबर 2024 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

क्रिकेटर हार्दिक पंड्या...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

गोविंदा के पैर में लगी गोली, रिवॉल्वर रखते वक्त मिसफायर

- एक्टर ने वीडियो मैसेज में कहा-मैं अब ठीक हूं

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर गोविंदा (60) पैर में गोली लगने से घायल हो गए हैं। उन्हें खुद की पिस्टल साफ करते हुए मिसफायर से गोली लगी। घटना मंगलवार सुबह करीब 4.45 बजे की है। ऑपरेशन कर उनके पैर से गोली निकाल ली गई है। एक्टर फिलहाल खतरे से बाहर हैं। डीसीपी दीक्षित गेडाम ने बताया कि जिस समय घटना हुई उस समय गोविंदा घर में अकेले थे। उनके पास एक लाइसेंसी रिवॉल्वर है। रिवॉल्वर से गलती से गोली चली, जो उनके पैर पर लगी। इस मामले से जुड़ी कोई शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। मामले में कुछ भी संदिग्ध नहीं है।

मोदी ने इजराइली पीएम नेतन्याहू से की फोन पर बात

- कहा-भारत शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-लेबनान तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार, 30 सितंबर को इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। क्षेत्रीय तनाव को रोकना और सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। भारत शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

थाईलैंड में स्कूल बस में आग, 25 स्टूडेंट्स की मौत

टायर फटने से हुआ हादसा

5 टीचर्स समेत 44 लोग थे सवार

बैंकाक (एजेंसी)। थाईलैंड में एक स्कूल बस में आग लगने से 25 छात्रों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बस में 44 लोग

सवार थे, जिनमें से 16 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल रेस्क्यू वर्कर्स बाकी बच्चों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आग लगने की वजह अब तक सामने नहीं आई है। हालांकि मौके पर मौजूद चश्मदीदों का कहना है कि बस का टायर फटने की वजह से आग लगी।

कांग्रेस के राज में दलाल और दामाद हो गए हैं मालामाल

प्रधानमंत्री मोदी बोले-कांग्रेस पार्टी को ठगी की लत लगी, ये सबसे बड़ी दलित

पलवल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस को ठगी की लत लग गई है। उसके राज में दलाल और दामाद मालामाल हुए। कांग्रेस ने हिमाचल में झूठ बोला, अब हरियाणा में झूठे वादे बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये पार्टी दलित विरोधी है। कांग्रेस ने डॉ अंबेडकर को चुनाव में दो-दो बार हरवाया। इन्होंने संसद के सेंट्रल हॉल में उनकी तस्वीर तक नहीं लगने दी। पीएम मोदी ने यह बातें हरियाणा में कहीं। उन्होंने पलवल में नेशनल हाईवे-19 पर गदपुरी टोल प्लाजा के पास चुनाव की आखिरी रैली को संबोधित किया।

हरियाणा के तेज विकास की गारंटी, ये मोदी की गारंटी है

पीएम ने कहा कि ये चुनाव नया इतिहास बनाने का है। ये चुनाव हरियाणा को विकास को नई बुलंदी देने का है। दिल्ली में आपका ये बेटा बैठा है। आप यहां तीसरी बार भाजपा सरकार बनाइए, मैं आज पलवल की धरती पूरे हरियाणा के जागरुक मतदाताओं को आग्रह करता हूं कि आप रिकॉर्ड वोटों से फिर एक बार भाजपा की सरकार बनाइए। हरियाणा के तेज विकास की गारंटी, ये मोदी की गारंटी है।

कांग्रेस दलितों-पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देगी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का सिर्फ और सिर्फ एक ही एजेंडा है वोट के लिए तुष्टिकरण। ज्यादा से ज्यादा तुष्टिकरण। आप देखिए कांग्रेस आज क्या कर रही है। कांग्रेस कहती है कि वह दलितों, पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देगी। कर्नाटक में इन्होंने यही किया है, जैसे ही वहां इनकी सरकार बनी इन्होंने दलितों-पिछड़ों का आरक्षण छीन लिया। कांग्रेस ने इनका आरक्षण धर्म के आधार पर बांट दिया।

बीजेपी सरकार 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रही

पीएम ने कहा कि कांग्रेस यहां एमएसपी को लेकर बड़ी बातें कर रही है, लेकिन कांग्रेस यहां सिर्फ तीन चार फसलों पर एमएसपी देती थी। जबकि बीजेपी की सरकार 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रही है। 1 लाख करोड़ से अधिक रुपए किसानों के खातों में पहुंचे हैं। आज मैं हरियाणा की माताओं, बहनों, बेटियों में भाजपा के प्रति सबसे अधिक उत्साह देख रहा हूं। हरियाणा की बेटियां आज चारों तरफ झंडे गाड़ रही हैं। भाजपा सरकार की हर योजना माताओं, बहनों में नया आत्मविश्वास पैदा कर रही है। आप याद रखिए, वहां इनमें से एक भी वादा लागू नहीं किया। यानी कांग्रेस की नीयत में ही खोट है। कांग्रेस हरियाणा के नौजवानों के हितों के खिलाफ है। यहां बीजेपी ने करीब डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां दी और वह भी बिना पर्ची के।

आधी रात को जेपी नड्डा से मिले संजय राउत!

- महाराष्ट्र की राजनीति होने वाला है जबरदस्त उलटफेर
- वीबीए का दावा-उद्धव ने फडणवीस से की मुलाकात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कुछ ही समय बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उससे पहले वहां की सियासत में हलचल देखने को मिल रही है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना नेताओं के बीच मुलाकात की अटकलें हैं। वंचित बहुजन अघाड़ी ने दावा किया है कि डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच में मीटिंग हुई है। इसके साथ ही पार्टी ने यह भी दावा किया है कि राज्यसभा सांसद संजय राउत भी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से मिले थे। हालांकि, इसे लेकर दोनों ही पार्टियों की तरफ से कोई भी ऑफिशियल बयान नहीं दिया है। वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रवक्ता सिद्धार्थ मोकले की तरफ से एक वीडियो मैसेज जारी किया गया है। इसमें कहा गया कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने 25 जुलाई को रात 2 बजे 7डी मोतीलाल मार्केट में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर फिर हड़ताल पर

- कहा-सुरक्षा की मांग पर ममता सरकार का रवैया पॉजीटिव नहीं, हम पर अब भी हमले जारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को एक बार फिर हड़ताल कर दी है। राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए पूरी तरह काम बंद कर दिया है। डॉक्टरों की मांग है कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षा दी जाए। डॉक्टर स्वास्थ्य सचिव को उनके पद से हटाने जैसी कई मांगों को लेकर बुधवार को कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला तक एक मार्च भी निकालेंगे। इससे पहले जूनियर डॉक्टर 10 अगस्त से लेकर 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन करते रहे। 21 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी पर वापस आए थे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों की सुरक्षा में कोताही पर ममता सरकार की खिंचाई की और आदेश दिया कि सभी अस्पतालों में 15 दिन में सीसीटीवी लगाए जाएं।

राजकोट में पहली बार कैंसर योद्धाओं का गरबा आज

- 9000 मरीज, उनके परिजन और डॉक्टर होंगे शामिल
- 700 लड़कियों को फ्री एचपीवी वैक्सीन देने की तैयारी

राजकोट (एजेंसी)। देश में 3 अक्टूबर से नवरात्रि शुरू हो रही है। इस बीच देश में पहली बार राजकोट में नवरात्रि की पूर्व संध्या (2 अक्टूबर) को कैंसर मरीजों के लिए एक दिवसीय गरबा होगा है। कैंसर केयर फाउंडेशन के इस कार्यक्रम में पूरे गुजरात से 3000 से ज्यादा कैंसर योद्धा, उनके परिजन, 250 से ज्यादा कैंसर स्पेशलिस्ट समेत 9 हजार लोग शामिल लेंगे। इसके साथ ही स्कूल-कॉलेजों की 700 से ज्यादा गरीब लड़कियों को भी गरबा खेलने बुलाया गया है। इन सभी लड़कियों को ग्रीवा फाउंडेशन की ओर से कैंसर रोधी वैक्सीन और मैमोग्राफी टेस्ट के लिए गिफ्ट वाउचर दिए जाएंगे। नवरात्रि का यह पूरा आयोजन निशुल्क है। इसलिए गुजरात में रहने वाले कैंसर रोगी मौके पर रजिस्ट्रेशन के बाद भी गरबा कर सकेंगे।

इजरायल ने लेबनान में शुरू किया ऑपरेशन नॉर्दर्न एरो

बनाया प्लान, हिजबुल्लाह को पूरी तरह खत्म करने की तैयारी

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने लेबनान बॉर्डर पर हिजबुल्लाह के सैन्य ढांचे को निशाना बनाते हुए जमीनी आक्रमण शुरू किया है। इजरायल ने लेबनान में दो हफ्तों से जारी हवाई हमलों के बाद जमीन पर आक्रमण का फैसला लिया है। मंगलवार को इजरायली सेना ने लेबनान में सीमा के पास बसे गांवों में हमले करते हुए हिजबुल्लाह के ठिकाने नष्ट करने की बात कही है। इस ऑपरेशन नॉर्दर्न एरो नाम दिया गया है, जिसमें हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने कहा कि उसके सैनिकों ने साइटों को टारगेट करने के लिए सीमा पार की है, जहां से उत्तरी इजरायल के लिए खतरा पैदा हो सकता है। आईडीएफ ने एक्स पर लिखा, हमने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर लक्षित जमीनी हमले शुरू किए हैं।

कांग्रेस नेता शेर, आरएसएस में दम नहीं

राहुल बोले-ये लोग मुझे देखकर छुप जाते हैं, मैं बीजेपी, मोदी से नफरत नहीं करता

सोनीपत (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दूसरे दिन की हरियाणा विजय संकल्प यात्रा जारी है। यात्रा सुबह करीब साढ़े 11 बजे झज्जर के बहादुरगढ़ से शुरू हुई। जो सोनीपत के 5 हलकों को कवर करते हुए शाम तक गोहाना पहुंचेगी। यात्रा के दौरान सोनीपत में राहुल ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता शेर हैं लेकिन आरएसएस वालों में दम नहीं। ये लोग मुझे देखकर छुप जाते हैं। लोकसभा में भी जब मैं भाषण देता हूं तो पीएम नरेंद्र मोदी निकल जाते हैं। मैं बीजेपी, मोदी से नफरत नहीं करता। राहुल ने पीएम मोदी से पूछा कि गुजरात में अडाणी पोर्ट में ड्रग्स पकड़ी गई, उस पर क्या कार्रवाई की गई, यह हरियाणा की जनता को बताएं। परिवार पहचान पत्र को राहुल गांधी ने परिवार परेशान पत्र बताया।

जितना चाहे मुझे रोक लो, कोई फर्क नहीं पड़ेगा

राहुल ने कहा- ये जितना मुझे रोकना हो तो रोक लो, कोई फर्क नहीं पड़ेगा। क्योंकि वह दिन आएगा, हिंदुस्तान की सरकार मजदूरों, किसानों और गरीबों की सरकार होगी। मेरा मतलब है। मोदी जी इज्जत की बात करते हैं, सम्मान की बात करते हैं। बिना पैसे के इज्जत-सम्मान का मतलब नहीं है। जब उसके जेब में पैसा होगा, तो उसका सम्मान आपको करना ही पड़ेगा। वह हिंदुस्तान चाहता हूं। लड़ाई इसी बात की है। मैंने मन बना लिया है। मैं नोट कर रहा हूं, जितना पैसा नरेंद्र मोदी अडाणी और अंबानी को देगा, उतना ही पैसा हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों, माताओं बहनों को दूंगा। इनको जितना मर्जी नचवाना हो नचवा लो, जब हमारी सरकार आएगी तो इन लोगों को नचवाएंगे।

हरियाणा चुनाव में चंद्रशेखर-दुष्यंत के काफिले पर हमला

उचाना (एजेंसी)। हरियाणा के जींद के उचाना विधानसभा क्षेत्र में सोमवार रात दुष्यंत चौटाला और आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर के रोड शो पर हमला हुआ। युवकों ने हो हल्ला करते हुए पत्थर फेंका, धूल उड़ाई। काफिले में शामिल चंद्रशेखर की कार का पिछला शीशा टूट गया। सूचना मिलने पर उचाना एसपी पवन कुमार भी मौके पर पहुंचे। उनके दुष्यंत के साथ बहस हुई। उचाना में जेजेपी के दुष्यंत चौटाला प्रत्याशी हैं और चंद्रशेखर उनके समर्थन में रोड शो करने आए थे। देर शाम को इनका काफिला उचाना कलां गांव में पहुंचा था। दुष्यंत व चंद्रशेखर रथ पर आगे चल रहे थे। इनकी कारें पीछे काफिले में थी। इसी दौरान यह घटना घटी। बता दें कि जेजेपी और आजाद समाज पार्टी (एएसपी) मिलकर हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव में जेजेपी ने 70 सीटों पर और आजाद समाज पार्टी ने 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। रोड शो को मौके पर रोक दिया गया और दुष्यंत व चंद्रशेखर भी रथ से उतर कर कार्यकर्ताओं के बीच आ गए। कुछ ही देर में पूरे क्षेत्र में सूचना फैल गई कि दुष्यंत के काफिले पर हमला हो गया।

कुंभ मेला पर 100, 200-500 नहीं, चलेंगी पूरी 992 स्पेशल ट्रेन

- रेलवे की बड़ी तैयारी! करोड़ों का बजट, भक्तों को मिलेगी हर सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले कुंभ मेला की तैयारियों में रेल मंत्रालय कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। 2025 में यूपी के प्रयागराज में लगने वाले कुभ मेला में देशभर से लोग पहुंचेगे और ऐसे में रेलवे पर यात्रियों का अतिरिक्त भार पड़ेगा। कुंभ मेले के लिए रेलवे ने 933 करोड़ रुपये का बजट इन्फ्रास्ट्रक्चर और दूसरी सुविधाओं के लिए रखा है। इसके अलावा भारतीय रेलवे 992 स्पेशल ट्रेनों को चलाने की योजना भी बना रही है। बता दें कि 12 जनवरी 2025 से कुंभ मेले की शुरुआत होगी और इसमें करीब 30 से 50 करोड़ भक्तों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। कुंभ में आने वाले तीर्थ यात्रियों को आवाजाही में परेशानी ना हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए रेल मंत्रालय प्रयागराज डिवीजन और इसके आसपास के एरिया में करीब 3700 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे ट्रैक्स को डबल करने पर काम कर रहा है।

मंदिर हो या मस्जिद, सड़क निर्माण में नहीं बन सकते बाधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि सड़क के बीच धार्मिक निर्माण गलत है। चाहे वह मंदिर हो या दरगाह उसे हटाना ही सही होगा।

सार्वजनिक सुरक्षा सबसे पहले है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि कोई भी शख्स आरोपी या दोषी है तो यह डेमोलेश का आधार नहीं हो सकता है। देशभर के लिए गाइडलाइन जारी की जाएंगी। कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। फैसला सुनाए जाने तक बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी ही रहेगी। जस्टिस बीआर गवई ने इस बात पर भी गौर करना होगा कि तोड़फोड़ का आदेश पारित होने से पहले भी एक सीमित समय होना चाहिए।

साल में करीब चार-पांच लाख डिमोलिशन की कार्रवाई होती है। पिछले कुछ सालों का यही आंकड़ा है। बता दें कि जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच अपराध के आरोपी लोगों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश की तरफ से कोर्ट में पेश हुए थे।

बुलडोजर ऐक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी, रोक जारी

जब उनसे यह सवाल किया गया कि क्या आपराधिक मामले में आरोपी होना बुलडोजर एक्शन का सामना करने का आधार हो सकता है। इस पर मेहता ने जवाब दिया कि बिल्कुल भी नहीं। रेप या आतंकवाद जैसे अपराधों के लिए भी नहीं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने आरोप लगाया है कि अल्पसंख्यक समुदाय को टारगेट किया जा रहा है और सरकार को आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने से रोका जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश खेल अकादमी के एथेलेटिक्स खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रदर्शन कर जीते 3 पदक

भोपाल। फोर्थ इंडियन ओपन यू -23 कंपटीशन-2024 का आयोजन पाटिलीपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पटना (बिहार) में 28 से 30 सितंबर तक हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश राज्य एथेलेटिक्स अकादमी के पोल वॉल्ट खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर 1 स्वर्ण एवं 2 रजत सहित 3 पदक जीत कर प्रदेश को गौरवान्वित किया।खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने खेल अकादमी के सभी पदक विजेता खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुये बधाई दी है। प्रतियोगिता में खेल अकादमी के पोल वॉल्ट खिलाड़ी देव मीणा ने 5.20 मी. की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक एवं बालिका वर्ग में निकिता आकरे ने 3.50 मी. की छलांग लगाकर रजत पदक और महिला 5000 मी. दौड़ में बुशरा खान गौरी ने बेहतर दौड़ का प्रदर्शन कर 1 रजत पदक अर्जित किया। पटना (बिहार) में आयोजित इस एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में खेल अकादमी के पोल वॉल्ट खिलाड़ी ने अपने खेल कौशल और शारीरिक दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 5.20 मी. की छलांग लगाकर अन्डर 20 वर्ग पोल वॉल्ट इवेन्ट में अपना न्यू मीट रिकार्ड अपने नाम किया। इससे पूर्व यह रिकार्ड हरियाणा के खिलाड़ी प्रशांत कन्हैया 5.10 मी. के नाम था। प्रशांत ने यह रिकार्ड नई दिल्ली में बनाया था।

ऋषि इंटरप्राइजेस एवं प्रीति होम एप्लाइंसेस भोपाल के संस्थानों में घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द राजपूत के निर्देशानुसार अवैध गैस रिफलिंग तथा घरेलू गैस के दुरूपयोग की शिकायतों पर जांच एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज 30 सितंबर को जिला खाद्य कार्यालय भोपाल के अधिकारियों द्वारा अशोका गार्डन स्थित ऋषि इंटरप्राइजेस एवं प्रीति होम एप्लाइंसेस भोपाल के संस्थानों पर जांच की कार्रवाई की गई। जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल सुश्री मीना मालाकार ने जानकारी दी है कि ऋषि इंटरप्राइजेस के यहां एक घरेलू गैस सिलेण्डर, एक व्यवसायिक गैस सिलेण्डर आंशिक भरे हुए, सात खाली सिलेण्डर एवं 5 गैस अंतरण यंत्र जब्त किये गये। इसी तरह प्रीति होम एप्लाइंसेस भोपाल के यहां 13 घरेलू गैस सिलेण्डर, जिसमें 10 भरे, एक आंशिक भरा और 2 खाली, 5 किलोग्राम के अमानक स्तर के 7 खाली गैस सिलेण्डर, 5 किलोग्राम के व्यवसायिक गैस सिलेण्डर एक आंशिक भरा, 3 किलोग्राम के अमानक स्तर के 2 खाली सिलेण्डर, एक तौल कांटा और 2 गैस अंतरण यंत्र जब्त किये गये। मौके पर पंचनामा बनाया गया एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत प्रकरण दर्ज किये गये हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की जानकारी नागरिकों को दी गई

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की जानकारी आज मिशन डायरेक्टर डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े द्वारा दी गई। इस संबंध में दूरदर्शन मध्यप्रदेश में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर के नागरिकों ने योजना के संबंध में फोन कॉल के माध्यम से प्रश्न पूछे। मिशन डायरेक्टर डॉ. झाड़े ने कॉल करने वाले दर्शकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के जरिये योजना के माध्यम से मिलने वाले लाभों, आवेदन प्रक्रिया और अन्य पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के जरिये नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के बारे में जागरूक किया गया

पावर मैनेजमेंट कंपनी के तत्वावधान में तरूरोपण यज्ञ का आयोजन 2 अक्टूबर को

भोपाल। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के द्वारा 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और श्राद्ध पक्ष के अवसर पर तरूरोपण यज्ञ 'एक पौधे का रोपण, पूर्वजों की स्मृति में' कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। तरूरोपण यज्ञ में जबलपुर स्थित सभी विद्युत कंपनियों के कार्मिक परिजन की स्मृति में एक पौधा लगाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन रामपुर स्थित आवासीय परिसर में स्मृति उद्यान में किया जायेगा। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन व प्रशासन राजीव गुप्ता ने जानकारी दी कि 'परिजन की स्मृति में पौधा रोपण कार्यक्रम' की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई थी। शक्तिभवन सिविल मेंटेनेंस डिवीजन द्वारा लगभग एक एकड़ क्षेत्र में स्मृति उद्यान को विकसित किया गया है। तब से प्रतिवर्ष विद्युत कार्मिक अपने परिजन की स्मृति में पौधे रोप कर उसे सुरक्षि?त रखने का संकल्प लेते हैं।

विवाह पूर्व कुंडली मिलान से ज्यादा जरूरी है सिकल सेल कार्ड का मिलान-राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्वस्थ पीढ़ी के लिए विवाह पूर्व जन्म कुंडली मिलान से ज्यादा जरूरी सिकल सेल जेनेटिक काऊंसलिंग कार्ड का मिलान करना है, क्योंकि यदि सिकल सेल रोगी और वाहक आपस में विवाह करते हैं, तो निश्चित ही उनकी सन्तान सिकल सेल रोग से ग्रसित होगी। यदि पति-पत्नी दोनों इस रोग के वाहक हैं, तो भी उनकी भावी सन्तान सिकल सेल से प्रभावित होगी, इसकी ज्यादा संभावना रहती है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोगियों को अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखने और अपने घर का पका भोजन ही करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति अपनी दिनचर्या में नियमित पौष्टिक आहार, योग और व्यायाम को शामिल करें। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय के छात्रावास में आयोजित सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग शिविर को संबोधित कर रहे थे। जनजातीय कार्य विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस स्क्रीनिंग शिविर में जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह भी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के लिए गर्भधारण के पूर्व और गर्भावस्था में भी मेडिकल काऊंसलिंग बहुत जरूरी है। अब जन्म के 72 घंटों में सिकल सेल का पता लगने पर नवजात शिशुओं के विशेष उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए विशेष प्रयास कर रही हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने संबंधित विभागों को सिकल सेल स्क्रीनिंग के लिए लक्षित प्रत्येक व्यक्ति की अत्यंत गंभीरता से स्क्रीनिंग कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मातृ-शक्ति का विशेष महत्व है।

सिकल सेल उन्मूलन के लिए बेटियों का योगदान जरूरी है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल जागरूकता के लिए बेटियां आगे आयें और अपने करीबियों, रिश्तेदारों व आस-पड़ौस के लोगों को इस रोग के बारे में बताएं और रक्त की जांच कराने को कहें। राज्यपाल श्री पटेल ने उपस्थित जनों से अपील की कि सिकल सेल रोग के लक्षण, रोकथाम और उन्मूलन के प्रयासों में हर व्यक्ति सक्रिय योगदान करे। मानवता की सेवा के इस पुनीत कार्य के प्रति हमेशा संवेदनशील रहें। उन्होंने 2047 तक भारत को सिकल सेल एनीमिया से मुक्त बनाने के संकल्प के लिए सामूहिक सहभागिता का आहवान किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन और जनजातीय वीर नायकों के छायाचित्रों पर माल्यार्पण के साथ किया। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह और कन्या महाविद्यालय छात्रावास की बालिकाओं ने राज्यपाल श्री पटेल का पुष्प-गुच्छ भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने कन्या महाविद्यालय छात्रावास की छात्राओं को उपहार भी दिये। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के सिकल सेल उन्मूलन मिशन में राज्यपाल श्री पटेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री शाह ने जनजातीय हितों के लिए राज्यपाल श्री पटेल के मार्गदर्शन में राजभवन में स्थापित किए गए %जनजातीय प्रकोष्ठ% की मुक्त-कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल श्री पटेल जनजातीय वर्ग के प्रति अत्यंत ही संवेदनशील हैं। श्री पटेल के प्रयासों से ही प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन का कार्य मिशन मोड पर तेजी से जारी है।

भारतीय ज्ञान पर गर्व करने की परम्परा करनी होगी विकसित - उच्च शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत का ज्ञान विश्व मंच पर सबसे पुरातन और सर्वश्रेष्ठ ज्ञान है, यह ज्ञान परम्परा एवं मान्यता के रूप में भारतीय समाज में सर्वत्र विद्यमान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में क्रियान्वयन, शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्परा के समावेश के बिना अपूर्ण रहेगा। भारत के पुरातन ज्ञान को नूतन संदर्भ में शिक्षा में समाहित करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें अपने ज्ञान एवं इतिहास पर गर्व करने करने की परम्परा विकसित करनी होगी। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सोमवार को भोपाल स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय हमीदिया महाविद्यालय के सभागार में भारतीय ज्ञान परम्परा - विविध संदर्भ विषय पर आयोजित एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा समावेशी शिक्षा के आलोक पर अपने विचार व्यक्त किए। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था, समाज आधारित शिक्षा व्यवस्था थी। शिक्षा और स्वास्थ्य, समाज के विषय हुआ करते थे। अंग्रेजों ने भारत के मानस को परिवर्तित करने के लिए भारतीय शिक्षा पद्धति को योजनाबद्ध तरीके से नष्ट किया। श्री परमार ने कहा कि भारत सर्वसंपन्न, सर्वज्ञानी और समृद्ध देश रहा है, इसलिए ऐतिहासिक कालखंडों में अंग्रेजों समेत सभी विदेशी आक्रांता भारत को लूटने आए थे। अंग्रेजों के आंकड़ों के अनुसार भारत 90 प्रतिशत साक्षरता वाला देश था, यहां 7 लाख से ज्यादा समाज द्वारा संचालित गुरुकुल थे। अंग्रेजों ने भारत की संस्कृति और शिक्षा को मिटाने का कुत्सित प्रयास किया, किंतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लागू होने से शिक्षा में भारतीय दर्शन और चिंतन पुन: जीवंत हो रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर स्वास्थ्य शिविरों का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सभी वृद्धजनों से अपील की है कि अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में आकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अवश्य उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के हर वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान योजना में शामिल करने का प्रावधान किया है। यह प्रयास वरिष्ठ नागरिकों के देश के विकास में योगदान का सम्मान है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वृद्धजन सहित सभी नागरिकों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके और उनका सही उपचार हो सके। नियमित चिकित्सा जांच करवाना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना अच्छा जीवन व्यतीत करने के लिए महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर, प्रदेशभर में समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला चिकित्सालय स्तर पर वृद्धजनों के लिये विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं परामर्श प्रदान किया जाएगा।

असंचारी रोगों के लिए स्क्रीनिंग एवं उपचार की सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों में फिजियोथेरेपी सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी।

शिविर में आभा कार्ड एवं पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे, जिससे वृद्धजनों को इन सेवाओं का लाभ मिल सके और उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस हर साल 1 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वृद्धजनों के स्वास्थ्य, कल्याण और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन समाज में वृद्धजनों के योगदान को सम्मानित करने और उनके प्रति समर्थन और देखभाल की भावना विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।

प्रदेश में सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने, दल गठित कर चलाया गया व्यापक अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार एवं लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के उद्देश्य से दल गठित कर एक व्यापक अभियान चलाया गया, जिसका सत्यापन करने की दृष्टि से वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके आधार पर सड़कों का मरम्मत कार्य 7 दिवस में सुनिश्चित करवाया गया। साथ ही निरीक्षण के दौरान जिन संभागों में सड़कों पर अधिक गड्ढे पाये गये उनसे संबंधित कार्यपालन यंत्रियों एवं ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये। प्रदेश में 7 से 22 अगस्त तक 15 दिवसीय व्यापक अभियान

चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य प्रदेश की सड़कों की स्थिति का निरीक्षण कर उनकी मरम्मत के लिए आवश्यक कदम उठाना था। लोक निर्माण विभाग द्वारा अभियान का सत्यापन करने के की दृष्टि से अधीक्षण यंत्री स्तर के अधिकारियों को 9 से 15 सितंबर तक विभिन्न जिलों में सड़क निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे, जिसकी रिपोर्ट 18 सितंबर को प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट के अनुसार निरीक्षण अभियान के दौरान, 15 अधीक्षण यंत्रियों की टीम ने प्रदेश में 10 हजार 645 किलोमीटर सड़कों का रैंडम आधार पर औचक निरीक्षण किया। इसमें कुल 1,362 गड्ढे चिन्हित किए गए, जबकि 57 किलोमीटर सड़कों की डामर की ऊपरी सतह क्षतिग्रस्त पाई गई।

इसके अतिरिक्त 8.80 किलोमीटर लंबाई की सड़कें जल निकासी की कमी के कारण खराब हुईं। अभियान के तहत चिन्हित गड्ढों एवं सड़कों का मरम्मत कार्य 7 दिवस की अवधि में सुनिश्चित कराया गया। निरीक्षण के दौरान जिन संभागों में सड़कों पर अधिक गड्ढे पाए गए, उन क्षेत्रों के 11 कार्यपालन यंत्रियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इन अधिकारियों में श्री अवध बिहारी साहू कार्यपालन यंत्री संभाग, जे.पी. सोनकर कार्यपालन यंत्री पन्ना संभाग, आई.के. शुक्ला कार्यपालन यंत्री टीकमगढ़ संभाग और जी.आर. गायकवाड कार्यपालन यंत्री उमरिया संभाग शामिल है।

गिग प्लेटफार्म वर्कर्स को संबल योजना का लाभ मिलेगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार ने नीति आयोग की पहल पर राज्य में कार्यरत लगभग 1 लाख गिग प्लेटफार्म वर्कर्स को मार्च 2024 में असंगठित श्रमिकों की श्रेणी में शामिल किया, साथ ही संबल योजना के समस्त लाभ दिये जाने का निर्णय लिया। संबल पोर्टल पर गिग वर्कर्स पंजीयन का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि आज बड़े से लेकर छोटे शहरों तक घर-घर में लोगों की इच्छानुसार सामान पहुँचाने एवं सेवा देने वाले सेवा क्षेत्र के अमेजन फ्लिपकार्ट, जोमेटो, ब्लिंकिट, ओला, उबर के सर्विस वर्कर्स की संख्या लाखों में है। इन श्रमिकों के हितों के बारे में निर्णय लेने के लिये केन्द्र सरकार ने नीति आयोग को निर्देशित किया था। संबल पोर्टल पर अब तक 700 से अधिक गिग वर्कर्स का पंजीयन किया जा चुका है। जैसे-जैसे गिग वर्कर्स में इस क्षेत्र में जागरूकता आ रही है वैसे-वैसे पंजीयन में तेजी आ रही है। संबल योजना में शामिल होने के कारण गिग वर्कर्स को भी संबल अंतर्गत अनुग्रह सहायता एवं अंत्येष्टी का लाभ मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि संबल योजना के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक को दुर्घटना में मृत्यु की दशा में रूपये 4 लाख सामान्य मृत्यु की दशा में 2 लाख स्थायी अपंगता पर रूपये 2 लाख तथा आंशिक अपंगता पर रूपये 1 लाख आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। अंतिम संस्कार सहायता के रूप मे रूपये 5 हजार दिये जाने का प्रावधान है। गिग प्लेटफार्म वर्कर्स मेंफूड सप्लाई/वितरण सेवा जैसे जोमेटो, स्वीगी, ईट श्योर फूड पांडा फ्रीलांस सॉफ्टवेयर डेवलपर/आपरेटर (जो अनेक नियोजकों के लिये काम करते हो), फ्रीलांस ग्राफिक डिजाइनर (अनेक नियोजकों हेतु) और फ्रीलांस ट्रेवल अडेन्डेंट्स गाइड एवं संबंधित श्रमिक शामिल हैं।

बरसात से खराब हुई सड़कों की मरम्मत तेजी से कराएं- ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बरसात के कारण खराब हुई सड़कों की मरम्मत का काम तेजी से कराएँ। सड़कों का काम इस तरह से किया जाए, जिससे आमजन को आवागमन में दिक्कत न हो। साथ ही चौक सीवर लाइनों की सफाई और बंद स्ट्रीट लाइटें दुरूस्त करने का काम भी तत्परता से कराएँ। इन कामों में कोई ढ़िलाई न हो। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश नगर निगम तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर सोमवार को ग्वालियर शहर के वार्ड-7 के अंतर्गत सती विहार कॉलोनी, वार्ड-6 बम भोले की बगिया, हथियापौर घासमंडी एवं जगनापुरा आदि क्षेत्रों की बुनियादी सुविधाओं का

जायजा लेने पहुँचे थे। मंत्री श्री तोमर ने अधिकारियों के साथ सती विहार कॉलोनी की विभिन्न गलियों का भ्रमण किया। स्थानीय निवासियों द्वारा बरसात से खराब हुईं सड़कों और स्ट्रीट लाइटें बंद होने की ओर ध्यान आकर्षित किए जाने पर श्री तोमर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खराब सड़कों को तात्कालिक रूप से गिट्टी डालकर यातायात के लिये सुगम बनायें।

साथ ही नई सड़कों के निर्माण के लिए स्टीमेट तैयार करें, जिससे सरकार की योजना के तहत इन सड़कों का निर्माण कराया जा सके। उन्होंने स्ट्रीट लाइटों को अभियान बतौर ठीक करने पर भी विशेष जोर दिया। उपनगर ग्वालियर की हथियापौर एवं जगनापुरा बस्तियों के निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बम भोले की बगिया से पुलिस चौकी तक सीवर लाइन डालने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बरसात के कारण इस क्षेत्र में जिन लोगों की पाटौरों को नुकसान पहुँचा है, एसडीएम इन सबकी मदद के लिये शासन के प्रावधानों के तहत उचित कार्यवाही करें। श्री तोमर ने हथियापौर नाले के निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने की हिदायत भी दी। भ्रमण के दौरान जगनापुरा में स्ट्रीट लाइट एवं नाला निर्माण की माँग क्षेत्रीय निवासियों ने ऊर्जा मंत्री श्री तोमर से की।

शुद्ध धारा दिवस सुजल शक्ति अभियान का तीसरा दिन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिऐ सुजल-शक्ति अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य हर घर को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना, जलापूर्ति प्रणालियों को सुदृढ़ करना और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से इस अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देने वाले इस अभियान का मुख्य थीम जल हमारा जीवन धारा रखा गया है। इस महत्वपूर्ण पहल के तहत ग्रामीण समुदायों को जल

आपूर्ति प्रणालियों में भागीदार बनाते हुए जल गुणवत्ता परीक्षण, जल प्रबंधन और स्वच्छता को सुनिश्चित करने के उपायों पर काम किया जा रहा है।

गांवों में जल संसाधनों के रखरखाव, जल गुणवत्ता की जांच, जागरूकता कार्यक्रम और सामुदायिक नेतृत्व को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के सफल संचालन में पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सचिव श्री पी. नरहरि के नेतृत्व में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जिन्होंने सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए जल संरक्षण की दिशा में कारगर योजनाएं बनाई हैं। सुजल-शक्ति अभियान के अंतर्गत शुद्ध-धारा दिवस के रूप में मनाया गया, जिसका उद्देश्य जल स्रोतों की गुणवत्ता का परीक्षण और स्वच्छता का निरीक्षण करना है। प्रदेश के चिन्हित ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति से जुड़े हर पहलू का बारीकी से निरीक्षण किया गया जिससे पानी की स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। पंप ऑपरेटर, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्य, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के प्रतिनिधि और अन्य प्रशिक्षित व्यक्तियों ने जल परीक्षण किया। फील्ड टेस्ट किट का उपयोग करके जल गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। ग्रामीण समुदाय के लोगों ने इस कार्य में सक्रिय सहभागिता की। शुद्ध-धारा दिवस के दौरान पंचायत भवनों में जल गुणवत्ता की रिपोर्ट प्रदर्शित की गई। इस रिपोर्ट में पानी के नमूने कहां से लिए गए, उनकी गुणवत्ता क्या रही, और पानी की स्वच्छता को लेकर क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं, इसकी जानकारी दी गई।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 187 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

समस्याओं के त्वरित निराकरण से आवेदक दिखे संतुष्ट

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 187 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में नगर पालिक सीधी अन्तर्गत वीथिका भवन के सामने निवासी वेबा राजकुमारी सिंह ने अपने शिकायती आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि समग्र आईडी में नाम न होने के कारण उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यदि समग्र आईडी में नाम जोड़ दिया जाए तो शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। सीईओ जिला पंचायत द्वारा आवेदन पत्र में कार्यवाही करते हुए सामाजिक न्याय द्वारा समग्र आईडी में नाम जोड़कर उन्हें खाद्यान्न पर्ची प्रदान करने के निर्देश दिए।

नर्वदा और छठिलाल को मिली ट्राइसाइकिल: जनसुनवाई में जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के ग्राम पोड़ी से आये नर्वदा गुप्ता ने अपने आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि पोलियो के कारण वह चलने में असक्षम हैं। उन्हें घर में या कहीं भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। वह अपना काम स्वयं नहीं कर पाते हैं। उन्होने कहा कि यदि उन्हें ट्राई साइकिल प्राप्त हो जाये तो वे अपना कार्य किसी के सहारे के बिना भी स्वयं कर सकेगें और कही भी आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी।

इसी प्रकार जनपद पंचायत रामपुर सिहावल के ग्राम गजरही से आये छठीलाल कोल ने अपने आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि मजदूरी करके जीवन यापन करते थे लेकिन 10 साल पहले काम करते समय ही पिलर गिर जाने के कारण दाया पैर से विकलांग हैं, जिसके कारण वे चलने में असक्षम है। उन्हें घर में या कहीं भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया कि गजरही में ही सड़क के किनारे छोटी सी किराने की दुकान खोले हैं और उसका सामान लेने कुबरी जाना पड़ता है ट्राई सायकल मिलने से हम दुकान के लिए समान ला सकते हैं।

उक्त दोनों आवेदकों की शारीरिक स्थिति को देखते हुए सीईओ जिला पंचायत ने सामाजिक न्याय विभाग द्वारा उन्हें सहायक उपकरण प्रदान कराए। जनसुनवाई में समस्याओं के त्वरित निराकरण होने से आवेदक बहुत खुश और संतुष्ट दिखे।

इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

3 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। रविवार की शाम थाना प्रभारी जमोड़ी विशाल शर्मा को जरियें मुखविर सूचना मिली कि ग्राम पड़खुरी 1 का रमेश कुमार कुशवाहा पिता सुखलाल प्रसाद कुशवाहा अपने मोटरसायकल की डिग्गी में मादक पदार्थ गांजा रखकर जमोड़ी तरफसे पड़खुरी जाने वाला है। उक्त सूचना से थाना प्रभारी जमोड़ी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाकर एक टीम गठित कर मुखबिर के बताये स्थान तरफ रवाना किया गया। जो टीम ग्राम पड़रा बाईपास के पास पहुंची तो संदेही मोटरसायकल जिसका नम्बर एमपी 53 एमजे 9608 से एक व्यक्ति आते मिला। जिसको रोककर उसका नाम पता पूछा गया तो वह अपना नाम रमेश कुशवाहा पिता सुखलाल कुशवाहा का होना बताया जिसकी तलाशी ली गई तो संदेही के पास मोटरसायकल के डिग्गी में 06 पैकेट मादक पदार्थ गांजा पाया गया। बरामद गांजे का तौल किया गया जो 3 किलो ग्राम कीमती 30,000 रुपये का होना पाया गया। जिसे समक्ष गवाहो के जप्त किया गया। आरोपी का यह कृत्य अपराध धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

सरकारी अस्पताल बंद करना गरीबों के जीवन से खिलवाड़

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला अस्पताल को निजी हॉथो में जाने से बचाने के लिये सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने अस्पताल बचावा के नाम से सत्याग्रह का आयोजन किया गया। सत्याग्रह में क्षेत्रीय ग्रामीणो की भारी उपस्थिति रही। ग्रामीणों की उपस्थिति यह बताती है कि सरकार द्वारा जिला अस्पताल को निजी हाथों में दिए जाने के फैसले से लोगों में आक्रोश है। सत्याग्रह में आए ग्रामीणों के समक्ष अपनी बात रखते हुए टोंको-रोंको-ठोंको क्रन्तिकारी मोर्चा के संयोजक उमेश तिवारी ने कहा कि प्रदेश के दस जिला अस्पतालों को निजी हाथों को सौंप कर प्रदेश की डॉ मोहन यादव की भाजपा सरकार गरीबों और आमजन के लिए बचे खुचे सार्वजनिक स्वास्थ्य को भी छीन कर प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को माफ़ियाओं के हवाले कर देना चाहती है। जिससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाएं महंगी होंगी बल्कि आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाएंगी।

बघवारी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार पाण्डेय तथा जिला न्यायाधीश एवं सचिव वीरेन्द्र जोशी के मार्गदर्शन में तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अभिषेक साहू की अध्यक्षता में मंगलवार एक अक्टूबर को ग्राम पंचायत बघवारी में सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी अभिषेक साहू ने माता पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, न्यायालयीन प्रक्रिया दांडिक तथा व्यवहार विधि के बारे में उपस्थित आमजन को जानकारी दी।

जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंतर्गत संचालित योजना निःशुल्क विधिक सहायता, निःशुल्क विधिक सलाह तथा शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में विनय तिवारी आनंदम रिफेसर सहयोगी एवं पैरालीगल वालेंटियर सीधी, रश्मि तिवारी आनंदम सहयोगी एवं पैरालीगल वालेंटियर सीधी, अस्वनी पटेल आनंदक, अजीत वर्मा पैरालीगल वालेंटियर, पूजा पांडेय आनंदक, प्रतिभा द्विवेदी आनंदक, प्रदीप सिंह, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से सम्बद्ध रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के समस्त पदाधिकारी, रजनीश यादव परास्नातक छात्र मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सीधी उपस्थित रहे।

पत्नी ने किया पति का अंतिम संस्कार

मां इकलौते बेटे को मुखाग्नि के लिए करती रही फोन, बेटा बोला- डेढ़ लाख दो तब आऊंगा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में एक बेटे ने अपने मृत पिता को इसलिए मुखाग्नि देने से मना कर दिया क्योंकि माता-पिता ने उसकी पैसों की मांग पूरी नहीं की थी। काफी देर तक मां फोन पर बेटे से विनती करती रही कि घर आ जाए, आखिरी बार पिता का मुंह देख ले और उन्हें मुखाग्नि देकर चला जाए। हालांकि पिता की मृत्यु की खबर सुनकर और मां की गुहार के बाद भी बेटे का हृदय नहीं पसीजा। जिसके बाद हिम्मत और साहस दिखाते हुए पत्नी ने ही अपने पति को मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूर्ण की।

यह घटना जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में मंगलवार को सामने आई है। अंतिम संस्कार के दस दिन बाद बेटे की शिकायत मां ने बेटियों के साथ थाना जाकर दी। पुलिस ने बताया कि पिता रामस्वरूप बर्मन की मौत 22 सितंबर रविवार को हुई थी।

ब्यौहारी में किराए से रहता है बेटा: ब्यौहारी थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 11 कछियान टोला निवासी पार्वती बर्मन के एक बेटा और दो बेटियां हैं। उनके बेटे मनोज बर्मन की शादी हो चुकी है। वह आए दिन माता-पिता से पैसे की मांग कर झगड़ा करता रहता था। रुपए की मांग पूरी न होने पर वह माता-पिता से अलग होकर ब्यौहारी में ही अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहने लगा।

डेढ़ लाख रुपए की कर रहा था मांग: पिता की मौत से एक दिन पहले भी वह माता-पिता के घर आया था और डेढ़ लाख रुपए की मांग कर रहा था। बेटे के कहना था कि जो पुराना मकान है उसे बेचकर पैसे मुझे दे दो। मां ने पैसे नहीं होने की बात कहकर उसे मना कर दिया। अगली सुबह मनोज के पिता का बीमारी के कारण निधन हो गया।

बार-बार बुलाने के बाद भी नहीं आया: मां ने बेटे को उसके पिता की मौत की सूचना दी थी। उसे बार-बार घर बुला रही थी। हालांकि, बेटे को अपने पिता की मृत्यु का कोई दुख नहीं हुआ।

सरस्वती के विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में लहराया परचम

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़रिया के प्रतिभागी ने तुराब अली खान 35वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही आगे अखिल भारतीय प्रतियोगिता हेतु अपनी जगह सुनिश्चित किया है। यह 100 मीटर दौड़ उसने मात्र 12.07 सेकंड में पूरी की। क्षेत्रीय खेलकूद समारोह सरस्वती शिशु मंदिर कल्याणगंज खंडवा, मालवा प्रांत में आयोजित की गई थी। इसमें चार प्रांत महाकौशल प्रांत, मध्य भारत, मालवा प्रांत और छत्तीसगढ़ शामिल हुए। अब आगामी अखिल भारतीय खेलकूद समारोह सतना में आयोजित होगा।

बिजुरी पुलिस ने हत्या का किया खुलासा

घर से बाहर नहीं जाने पर दोस्तों ने उड़ाया मजाक तो गुस्से में बड़ी मां की कर दी हत्या

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। बिजुरी पुलिस ने मंगलवार को हत्या का खुलासा किया है। 30 सितंबर को एक महिला का शव उसी के घर के पास चादर में लपेटकर फेंका गया था। पुलिस ने बताया कि महिला की हत्या उसी के दत्तक पुत्र ने की थी। बिजुरी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। बिजुरी थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताए कि गलैयाटोला बिजुरी में चादर में लपेटकर बांधकर एक महिला का शव फेंका गया था। अज्ञात महिला के शव को घटना स्थल के आसपास के रहवासियों को दिखाया गया और पूछताछ की।

घटना स्थल के पास ही स्थित घर के रहवासी मुन्नी कोल ने बताया कि उसकी बड़ी बहन सरोज कोल पति स्व. प्रदीप कोल उम्र 40 वर्ष 19 सितंबर को बिलासपुर जाने के लिए निकली थी। जो आज तक वापस नहीं आई। अज्ञात महिला के शव की पहचान कराई गई, शव मृतिका सरोज कोल का था।

पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर जांच शुरू की। विवेचना दौरान मृतिका को अंतिम बार देखने वाले उसके दत्तक पुत्र राजकुमार कोल पिता प्रदीप कोल पर पुलिस को शक हुआ। संदेही राजकुमार पिता प्रदीप कोल उम्र 18 वर्ष निवासी गलैयाटोला बिजुरी से पूछताछ की। उसने बताया कि उसकी बड़ी मां मृतिका सरोज कोल उसे कहीं आने जाने नहीं देती थी। घर में रखती थी। गाली गलौज और मारपीट करती थी।

औरत कहकर मजाक उड़ाने पर हत्या: 17 सितंबर को मोहल्ले के गणेश विसर्जन में नहीं जाने देने पर मोहल्ले के उसके साथी उसका मजाक उड़ाकर बोले कि औरत है, क्या? घर में छुपा रहता है। यह बात आरोपी को बहुत बुरी लगी और उसने अपनी बड़ी मां की हत्या की योजना बना ली।

17 और 18 सितंबर की रात करीब 2:30 बजे जब मृतिका सो रही थी। तब उसके सिर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी और मृतिका के खून से लथपथ कपड़े को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

मद्य निषेध सप्ताह में 02 से 08 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियों का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अपर कलेक्टर ने जानकारी देकर बताया है कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग संचालनालय म.प्र. के पत्र दिनांक 12.09.2024 के परिपालन में मद्यनिषेध सप्ताह/नशामुक्ति अभियान के सक्रिय क्रियान्वयन के संबंध में विभागों को आवश्यक कार्य एवं दायित्व सौंपा गया है।

उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र, समस्त प्राचार्य शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगरपालिक परिषद सीधी, नगर परिषद चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली तथा जिला समन्वयक जन अभियान परिषद सीधी को निर्देशित किया है कि मद्यनिषेध सप्ताह/नशामुक्ति अभियान के सक्रिय क्रियान्वयन के संबंध में जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालय एवं विद्यालयों तथा अन्य शासकीय, अशासकीय विभागों, स्वयं सेवी संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

समाज में बढ़ती हुयी नशा की दुष्प्रवृत्ति, नशे के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव एवं जनजागृति के लिये शासन से निर्धारित 7 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर कार्यवाही का प्रतिवेदन उप संचालन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला सीधी को भेजना सुनिश्चित करें।

उच्च गुणवत्ता की औषधि सस्ती दरों में उपलब्ध कराना ही जन औषधि केंद्र का कार्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सांसद एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ राजेश मिश्रा ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित जन औषधि केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान लाइसेंसी सुरेंद्र मणि दुबे, फार्मासिस्ट अनुपमा तिवारी, संदीप पाण्डेय, डॉक्टर मनोज सिंह परिहार सहित अनेक लोग उपस्थित रहें। सांसद ने कहा कि उच्च गुणवत्ता की औषधि सस्ती दर पर आम जनों को मिल सके, यही इस प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का लक्ष्य है। विगत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर इस औषधि केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया था।

पुलिस दे रही गुड टच एवं बैड टच की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन में सीधी पुलिस द्वारा बच्चों, स्कूली छात्र.छात्राओं को उनके विरूद्ध होने वाले अपराधों के प्रति जागरूक करने हेतु पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार वृहद जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमें जिले के समस्त थाना चौकी की पुलिस टीम स्कूल छात्रावास में जाकर विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से गुड टच एवं बैड टच की जानकारी दे रही है।

दुष्कर्म का फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार

6 महीने से था गायब, पुलिस ने बेंगलुरु में पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के विंध्यनगर थाना पुलिस ने मंगलवार को 6 महीने से फरार रेप के आरोपी को बेंगलुरु शहर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 7 अप्रैल को विंध्यनगर थाना इलाके के नेहरू बस्ती से एक लड़की को लेकर फरार हो गया था। जिसके बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। लेकिन आरोपी का उस समय कुछ पता नहीं चला।

एक प्राइवेट कंपनी से किया आरोपी को गिरफ्तार: इसी बीच पीड़ित लड़की 15 मई को वापस आई, जिसके बाद उसका न्यायालय में कथन हुआ। जिसके आधार पर अलंकर भवन निवासी शिवा पर गंभीर आरोप लगे। पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज किया और लड़की को परिजनों के सुपुर्द कर दिया था। शिवा को पुलिस ने आज बेंगलुरु की एक प्राइवेट कंपनी से गिरफ्तार कर लिया हैं।

इस पूरी कार्यवाही में जयंत चौकी प्रभारी उप निदेशक अभिषेक पांडे, उप निरीक्षक आरएस सिंह, सहायक उप निरीक्षक राजेश द्विवेदी, श्याम बिहारी द्विवेदी, उत्तम सिंह, रवि गोस्वामी सुनील मिश्रा आरक्षक दीपक यादव, और अशोक यादव शामिल रहें।

रहमत सिर्फ बरसती हैं उन्हीं लोगों पर, जिनके दामन में बुजुर्गों की दुआ होती है

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में वृद्ध जन दिवस पर आयोजन आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में वृद्ध जन दिवस का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक प्रयागदास साकेत उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना ही मानव जीवन की सबसे बड़ी सेवा है। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने पद्मश्री डॉ सुनील जोशी की पंक्तिया "रहमत सिर्फ बरसती हैं उन्हीं लोगों पर, जिनके दामन में बुजुर्गों की दुआ होती हैं।" के साथ कहा कि बुजुर्ग समाज के धरोहर व आधारस्तंभ होते है इन्हीं के आशीर्वाद से हमारा पालन-पोषण होता है। द्वितीय वक्ता डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने कहा कि बुजुर्ग अपने जीवन के अनुभव का लाभ हमें देते हैं, जिससे हमें जीवन यापन करना सरल हो जाता है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं में से काजल गुप्ता, शीलू शुक्ला, राजकुमार गुप्ता, निशा साहू, आरती पनिका, सावित्री विश्वकर्मा, आँचल सेन आदि ने कविताओं और गीतों के माध्यम से वृद्धजनों पर अपनी बात कही, तो वहीं छात्रा कंचन गुप्ता ने वृद्धजन दिवस के इतिहास पर बात रखी।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. ज्योति रजक ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. राजेश पटेल, डॉ अनुराग तिवारी, सुंदर लाल प्रजापति, डॉ. कमलेश जायसवाल, डॉ संगीता मिश्रा, डॉ सौरभी गुप्ता, डॉ निशा सिंह, डॉ अमिता खरे, प्रवीण कुमार साकेत, दीपराज प्रजापति, डॉ संध्या वर्मा, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

स्कूल में चोरी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस ने स्कूल का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया मशरूका किया जप्त। फरियादी राजेश पाण्डेय पिता बुद्धसेन पाण्डेय प्राचार्य सीएम राइज विद्यालय कुसमी ने 30.09.2024 को थाना कुसमी में आकर इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराये कि दिनांक 20/21 सितम्बर 24 के दरम्यानी रात कोई अज्ञात व्यक्ति स्कूल का ताला तोड़कर स्कूल के अन्दर से कम्प्यूटर वा प्रिंटर आदि कीमती 90 हजार रुपये कोई अज्ञात बदमाश चुरा कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कुसमी मे अपराध कायम किया जाकर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुये मुखविर सूचना के आधार पर कई संदेहियों को पुलिस अभिरक्षा मे लिया जाकर पूछताछ की गयी। जिसमे मणिशंकर सेन उर्फटाइगर सेन निवासी भगवार, अजय साहू पिता लालन साहू निवासी भगवार, सोनू साहू पिता शिवकुमार साहू निवासी बंजारी ने घटना कारित करना स्वीकार किया तथा कब्जे से प्रकरण का चोरी गया सामान कम्प्यूटर, प्रिंटर यूपीएस एवं अन्य कम्प्यूटर उपकरण कुल कीमती 90 हजार रुपये जप्त किया गया और आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया तथा प्रकरण का चोरी गया सम्पूर्ण माल जप्त किया गया है।

विचार

एक देश–एक चुनाव

15 अगस्त को लाल किले से अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि देश में विधानसभाओं, लोकसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ होने चाहिए । इससे समय और पैसे की बचत होगी । बात तो बिल्कुल ठीक लगती है परन्तु अनेक विपक्षी पार्टियां इस का विरोध कर रही हैं । असल में चुनाव के दौरान आचार संहिता लग जाती है जिस कारण केन्द्र और सम्बन्धित राज्यों के विकास काम रुक जाते हैं । सरकारी कोई लाभकारी नीति की घोषणा नहीं कर सकती । इस कारण गरीब पक्ष को लाभ नहीं मिलता । फिर चुनाव कराने में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं । उसकी भी बचत होगी ।

असल में सन् 1952 से लेकर 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुये थे । बाद में विधानसभाएं भंग होने के कारण या राज्यपाल शासन लग जाने से यह व्यवस्था बिगड़ गई । यूं लोकसभा के चुनाव भी कई बार पांच साल में दो या तीन बार कराने पड़े थे ?। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार एक साल में गिर गई तो फिर चुनाव कराने पड़े । 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी ने जल्दी इस्तीफा दे दिया तो पांच साल से पहले चुनाव करवाने पड़े । पैसे के अलावा संसाधनों का बेहतर प्रयोग होगा यदि राज्य और केन्द्र के चुनाव एक साथ हों । असल में इस समय देश में अट्ठाईस राज्य और आठ केन्द्र शासित प्रदेश हैं । केवल दो केन्द्र शासित प्रदेशों में चुनी हुई सरकारें हैं -- दिल्ली और पांडिचेरी । इस प्रकार कुल 30 विधानसभाएं हैं । इसमें 15 राज्यों में भाजपा की सरकार है । गठबन्धन का मुख्यमंत्री है । शेष 13 राज्यों में भाजपाई मुख्यमंत्री हैं । इसमें भी कुछ राज्यों में भाजपा अपनी भागीदारी मानती है । असल में 1967 तक बहुत सी रीजनल पार्टियां हारी नहीं थी । आज स्थिति यह है कि अनेक राज्यों में उनकी अपनी रीजनल पार्टी का वर्चस्व है जैसे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में डी.एम.के. । उड़ीसा में बीजू जनता दल । यद्यपि इस बार वह हार गया । उत्तर पूर्व के राज्यों में अपनी-अपनी पार्टियां हैं । आन्ध्रप्रदेश में तेलुगू देशम्, दिल्ली में आम आदमी पार्टी । अभी देखा यह गया है कि वोटर केन्द्र के लिए भाजपा को चुनता है, परन्तु राज्य में स्थानीय पार्टी को चुनता है । एक साथ चुनाव होने पर रीजनल पार्टी का प्रभाव कम हो जायेगा, यह आप विपक्षी दल लगाते हैं । यह भी कहा जा रहा है कि चुनाव आयोग निष्पक्षता से काम नहीं करता । पिछली बार हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव एक साथ हुए थे । इस बार हरियाणा चुनाव के साथ महाराष्ट्र के चुनाव नहीं हो रहे हैं यद्यपि हरियाणा की तुलना में महाराष्ट्र की विधानसभा का कर्यकाल 20 दिन बाद समाप्त हो रहा है । असल में महाराष्ट्र में इस बार भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनायेगी तो शिंदे का क्या होगा? इतने दिन तक बहुत सफल मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने रहे । क्या अगले मंत्रिमंडल में शिंदे उपमुख्यमंत्री बनना चाहेंगे । असल में अजीत पवार ने दोनों दरवाजे खोल रखे हैं ।

स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक

उमेश चतुर्वेदी

साल 1901 के कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिण अफ्रीका से हिस्सा लेने पहुंचे गांधी को अजीब अनुभव हुआ। प्रतिनिधियों को ठहरने वाले शिविर में सफाई की हालत बेहद खराब थी। कई प्रतिनिधि ऐसे थे, जिन्होंने उन कमरों के बाहर बने बरामदे का ही शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर दिया। दुर्गंध और गंदगी के बावजूद दूसरे प्रतिनिधियों को इस पर कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। तब तक वे पश्चिमी वेशभूषा में रहते थे। अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका-सा जवाब दे दिया था, यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है। गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी साफ को साफ करने में जुट गए। सफाई के बाद वे फिर से कोट-पैंट में आ गए।

भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने ना सिर्फ शौचालय क्रांति की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'।

स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। यह कह सकते हैं कि बाद के दिनों में भारतीय स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता तक सीमित होकर रह गई थी।

भारतीयों के एक बड़े वर्ग की सोच सफाई को लेकर ज्यादा निजी थी। शायद ही कोई भारतीय घर होगा, जहां रोजाना झाड़ू ना लगती हो। स्वच्छ भारत अभियान के पहले होता यह था कि झाड़ू लगती तो थी,लेकिन कूड़ा गली में या सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर फेंक दिया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के शुरू करने के बाद इस सोच में बदलाव आया है। वैसे मानव स्वभाव कोई बिजली का बल्ब नहीं है कि बटन दबाया और जल या बुझ जाएगा। उसमें बदलाव आने में देर होती है। बदलाव को वह जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाता। इसीलिए स्वच्छता के मोर्चे पर हम देखते हैं कि सौ प्रतिशत सफलता हासिल नहीं की जा सकी है। रेलवे लाइनों के किनारे पड़े कूड़े के अंबार अब भी बने हुए हैं। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्षों में यह सोच जरूर विकसित हुई है कि निजी ही नहीं, सार्वजनिक स्वच्छता जरूरी है। नई पीढ़ी के बच्चे तो अब बड़े-बड़ों को सार्वजनिक गंदगी के लिए टोक देते हैं।

स्वच्छता को लेकर महात्मा गांधी ने कहा था, मैं किसी को भी अपने दिमाग् से गंदे पैर लेकर नहीं गुज़रने दूँगा। गांधी के इस दर्शन पर भी चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, %न मैं गंदगी करूंगा, न मैं गंदगी करने दूंगा।% सार्वजनिक समारोहों में उनकी यह सोच अक्सर परिलक्षित होती है। किताब आदि के विमोचन के दौरान रैपर आदि को वे मोड़कर अपनी जेब में रख लेते हैं। इससे देश के अधिसंख्य लोगों ने प्रेरणा ली है और उस पर अमल भी कर रहे हैं।

स्वच्छता अभियान की सफलता ही कहेंगे कि देश के बारह करोड़ घरों में शौचालय बन चुके हैं। स्वच्छ भारत अभियान की एक दशक की यात्रा में न केवल शौचालय कवरेज में भारी वृद्धि हुई है, बल्कि खुले में शौच की कुप्रथा तकरीबन खत्म हो गयी है। स्वच्छता का मतलब सिर्फ सफाई ही नहीं, खाने-पीने की चीजें भी स्वच्छ होनी चाहिए। इस लिहाज से हर घर नल जल योजना को भी स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ सकते हैं। जिसके तहत पाइप से स्वच्छ पानी की आपूर्ति की कवरेज दस सालों में 16 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई है। देश में धुएं के प्रदूषण से महिलाओं को रोजाना दो-चार होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के जरिए इस दिशा में स्वच्छ भारत अभियान को सफल कहा जा सकता है। इस योजना के तहत 11 करोड़ घरों में रसोई गैस का कनेक्शन पहुंच चुका है।

स्वच्छ भारत अभियान से स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ा बदलाव आया है। हालही में विश्व प्रसिद्ध पत्रिका नेचर में स्वच्छ भारत अभियान के बाद आए भारत में बदलावों के शोध पर आधारित एक लेख छपा था। इससे पता चलता है कि स्वच्छ भारत अभियान गेम चेंजर बन गया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित आलेख कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध पर आधारित है। जिससे पता चलता है कि खुले में शौच की कुरीति खत्म होने के बाद और शौचालय क्रांति से देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। शोध पत्र में कहा गया है कि खुले में शौच की कुरीति के खत्म होने से हर वर्ष करीब 60 हजार से 70 हजार शिशुओं की मृत्यु को रोकने में सफलता मिली है। शोध पत्र के अनुसार, वर्ष 2000 से 2015 की तुलना में वर्ष 2015 और 2020 के बीच शिशु मृत्यु दर एक तिहाई रह गई...इसके आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 और 2015 के बीच शिशु मृत्यु दर में जहां तीन प्रतिशत वार्षिक की गिरावट रही, वहीं बाद में यह गिरावट आठ से नौ प्रतिशत ज्यादा हुई। इसी तरह 2000 और 2015 के बीच की तुलना में बाद के वर्षों में शिशु मृत्यु दर में 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस लेख मुताबिक, साल 2014 में शिशु मृत्यु दर जहां 39 अंक थी, वह साल 2020 में घटकर 28 रह गई।

स्वच्छता अभियान की सफलता की कहानी विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट भी करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, स्वच्छता अभियान के चलते 2014 से 2019 के बीच डायरिया से होने वाली मौत के करीब तीन लाख मामले कम हुए, जो इसके पहले की अवधि में ज्यादा थे। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, खुले में शौच की कुरीति खत्म होने से हर परिवार के स्वास्थ्य पर होने वाले करीब 50 हजार रूपए सालाना के खर्च की बचत हुई है। इसके साथ ही भूजल की गुणवत्ता भी पहले की तुलना में बेहतर हुई है। शौचालय क्रांति के चलते अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं अपने घरों में ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं। क्योंकि अब उन्होंने शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ा।

स्वच्छ भारत अभियान साल 2020 से संपूर्ण स्वच्छता अभियान में तब्दील किया जा चुका है। जिसके लिए एक लाख चालीस हजार करोड़ की रकम आवंटित की गई है। जाहिर है कि स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। लेकिन यह कहना अभी जल्दीबाजी होगी कि देश ने इस दिशा में सबकुछ हासिल कर ही लिया है। लेकिन अब भी देश के कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां का मानस सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत नहीं हो पाया है। जरूरी इस वर्ग को पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत करना है। स्वच्छता में ढिलाई बरतने वाले तंत्र के दंडात्मक विधान की व्यवस्था करनी होगी, तभी आज का भारत प्राचीन भारत की तरह पूरी तरह स्वच्छ हो पाएगा।

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

ललित गर्ग

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं

उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है। दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ित मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए।

स्वच्छ जल से समृद्धि की ओर, जल जीवन मिशन ने बैगा जनजातियों के जीवन को किया आसान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया जल जीवन मिशन जिले के भरतपुर विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में बसे बैगा आदिवासियों के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। अब तक पानी की कमी और अस्वच्छ जल से जूझ रहे इन क्षेत्रों के लिए एक राहत के रूप में सामने आया है। खासकर ग्राम देवगढ़ जो पहले जल संकट का सामना कर रहा था। अब जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल कनेक्शन से स्वच्छ पेयजल प्राप्त कर रहा है।

ग्राम देवगढ़ में नल जल सुविधा पहुंचने से ग्रामीणों विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला है। पहले उन्हें पानी के लिए नदी और झिरिया पर निर्भर रहना पड़ता था, और गर्मी के मौसम में पानी की भारी कमी होती थी। अब नल से लगातार स्वच्छ जल मिलने के कारण न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है बल्कि जलजनित बीमारियों की रोकथाम में भी सहायता मिल रही है।

जल जीवन मिशन से बदल रही बैगा जनजाति की जिंदगी: बैगा जनजाति के ग्रामीणों ने इस योजना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें पानी के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। रामऔतार बैगा ने बताया कि नल कनेक्शन मिलने से हमारा जीवन बहुत सरल हो गया है। अब हमें पीने नहाने और कपड़े धोने के लिए हमेशा स्वच्छ पानी उपलब्ध रहता है। पहले हमें इसके लिए बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब जीवन सुखमय हो गया है। ग्राम की बुधनी बैगा ने कहा "अब हमें हमेशा स्वच्छ पानी मिलता है जिससे हम अपने अन्य कामों पर ध्यान दे पा रहे हैं। पहले पानी के लिए हमें घंटों का समय देना पड़ता था लेकिन अब यह समय खेती और अन्य कामों में लग पा रहा है।"

सरकार की प्रभावी योजना का ग्रामीणों ने किया आभार व्यक्त: ग्राम देवगढ़ के ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का धन्यवाद करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी है। हर घर में नल से जल पहुँचाकर सरकार ने उनकी जिंदगी को सरल और सुरक्षित बनाया है। जल जीवन मिशन के तहत पहुंची यह सुविधा न केवल उनके स्वास्थ्य और जीवनशैली में सुधार कर रही है, बल्कि उन्हें एक स्थिर और समृद्ध भविष्य की ओर भी अग्रसर कर रही है।

रोड किनारे खड़े 2 हाइवा चोरी

न बैटरी और न चाबी, फिर भी चुरा ले गए चोर, गाड़ी में डीजल भी कम था

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक ही रात में 12 चक्का 2 हाइवा चोरी हो गए। चोर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। गाड़ी मालिक को मामले की जानकारी लगी तो थाने में एफ दर्ज कराई। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, कोरबा जिला के बिंझरा में रहने वाला सुरेन्द्र कुमार शांडिल्य (34) घरघोड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि जायसवाल कोल कर्मर्सियल लाजिस्टिक बिलासपुर चिल्हाटी की कंपनी में सुपर वाइजर के पद पर काम करता है। इनकी कंटगडीह स्थित कंपनी में वह 3 माह से रहकर काम कर रहा है।

करीब एक माह पहले विशाल लॉजिस्टिक कोरबा की कंपनी से उनके फर्म के लिए 13 हाइवा 12 चक्का कंपनी में काम के लिए लाए गए थे। 17 सितबंर विश्वकर्मा पूजा के दिन सभी हाइवा को कंपनी के एक कर्मचारी के पिता की खाली जमीन पर उन्हें खड़ी कर पूजापाठ किया गया था। इसके बाद 9 हाइवा काम के लिए भेज दिया गया। चार हाइवा को सुरक्षा के लिहाज से वहीं बिना बैटरी, बिना चाबी और कम मात्रा में डीजल के साथ खड़े कर दिया गया था, जिसकी देखरेख राकेश तिर्की करता था।

रात में खड़े थे हाइवे, सुबह गायब: शनिवार की रात को राकेश साढ़े 11 बजे सोने के लिए चला गया, तब गाड़ी वहीं खड़ी थी, लेकिन रविवार को जब वह सुबह पहुंचा तो उसने देखा कि 4 में से 2 हाइवा को किसी अज्ञात चोर ने चुरा लिया था। इसके बाद राकेश ने मामले की सूचना सुपरवाइजर सुरेन्द्र को दी। इसके बाद सुपरवाइजर ने घरघोड़ा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई।

जंगल में भी की गई खोजबीन: बताया जा रहा है कि हाइवा में बैटरी नहीं थी। डीजल भी काफी कम था। ऐसे में यह माना जा रहा था कि चोर ज्यादा दूर उसे नहीं ले जा सकते। ऐसे में सबसे पहले आसपास के जंगल में कपंनी के कर्मचारियों ने खोजबीन की, लेकिन कुछ भी पता नहीं चल सका। फ्लाई ऐश के काम के लिए कंपनी में इन वाहनों को लाया गया था।

आरोपियों का नहीं मिला सुराग: घरघोड़ा थाना प्रभारी अमित तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस द्वारा जांच किया जा रहा है, लेकिन आरोपियों का पता नहीं चल सका है। चार में से दो हाईवा को मौका पाकर चोर ने पार किया है। जिसकी तालाश की जा रही है।

बिजनेसमैन के घर से ढाई लाख की चोरी

पड़ोसी महिला के घर सोने गई थी पत्नी, सुनसान घर से जेवर-कैश चुरा ले गए चोर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में एक बिजनेसमैन के घर से करीब ढाई लाख की चोरी हो गई। बिजनेसमैन शहर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने सुनसान घर को टारगेट बनाया। मेन गेट का ताला तोड़कर उन्होंने चोरी की वारदात की। हालांकि इस मामले में पुलिस ने दोनों चोरों को नकली गहनों के साथ गिरफ्तार किया है।

प्रार्थी योगेश कुमार गुप्ता ने पुलिस को बताया कि उसका स्कूल यूनिफॉर्म बनाने का व्यापार है। वह अपने बिजनेस के लिए करीब 20 दिनों से बलौदाबाजार में रह रहा था। 25 सितंबर को उनकी पत्नी बबिता घर पर अकेली थी।

पड़ोसी महिला के घर सोने चली गई थी पत्नी: उनकी पत्नी को घर पर अकेले डर लगा तो वह सोने के लिए अपने पड़ोसी महिला के घर पर चली गई, तभी रात में चोरों ने उनके घर के मेन गेट का ताला तोड़कर कैश और गहने की चोरी कर ली। चोरों ने करीब ढाई लाख का माल चोरी किया था।

2 चोर गिरफ्तार: मामले में पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर चोरों की पहचान की। पुलिस ने टिकरापारा के रहने वाले पुरुषोत्तम और सोनू धनगर और शेख शहशाह को गिरफ्तार किया। हालांकि पुलिस को आरोपियों के पास से जो गहने मिले हैं, वह नकली हैं।

मां ने बेटी-बेटे को जहर देकर खुद पीया

बच्चे की मौत, महिला और बच्ची की हालत गंभीर, घटना का कारण स्पष्ट नहीं

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा में मंगलवार सुबह मां ने अपने 2 बच्चों को जहरीला पदार्थ पिला दिया और फिर खुद भी पी लिया। इसमें 4 साल के बेटे की मौत हो गई। जबकि मां और बेटी की हालत गंभीर है। मामला बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के बुंगेली गांव का है।

मृत बच्चे का नाम शिवम कश्यप (4) है। मां संगीता कश्यप और बेटी शिवानी कश्यप (7) को पहले कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। जहां से उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया है। घटना का कारण अभी सामने नहीं आया है।

पड़ोसियों ने तीनों को बेसुध हालत में पड़ा देखा: जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान संगीता का पति मधु कश्यप किसी काम से घर से बाहर था। इसी दौरान संगीता ने सामूहिक खुदकुशी का प्रयास किया। ये नहीं पता चला है कि तीनों ने क्या पीया है। पड़ोसियों ने तीनों को बेसुध हालत में देखा। पड़ोसियों ने बताया कि, तीनों के मुंह से झाग निकल रहा था। छोटा बेटा होश में नहीं था। बेटी भी गंभीर हालत में थी। तीनों को कटघोरा अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने मां-बेटी को ऑक्सीजन सपोर्ट में रेफर कर दिया।

पारिवारिक विवाद के चलते जहर खाने की बात: संगीता कश्यप की चाची जानकी बाई ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते जहर खाने की बात सामने आई है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है। जानकी बाई का कहना है कि उसे विवाद को लेकर कुछ पता नहीं है। ग्रामीण और पड़ोसी भी कुछ नहीं कह रहे हैं।

बांकीमोंगरा थाना प्रभारी तेज यादव ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची। जहां से ग्रामीणों और आसपास के लोगों से घटनाक्रम की जानकारी ले रही है। परिजनों का बयान दर्ज किया जा रहा है। अभी जहर किस वजह से पीए हैं जानकारी सामने नहीं आई है।

100 रुपए के लिए युवक की पीट-पीटकर हत्या

चोरी करने का भी था शक, डॉक्टर बोलीं- अधिक शराब पीने से गई जान

मीडिया ऑडीटर, गरियाबंद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में चोरी के शक और 100 रुपए के विवाद में एक युवक की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। परिजनों का ऐसा आरोप है, लेकिन डॉक्टर ने अधिक शराब पीने की वजह से उसकी जान जाने की बात कही है। मामला अमलीपदर थाना क्षेत्र के सरनाबहाल का है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार की शाम लक्ष्मण यादव (32) को उसके पड़ोसी ईश्वर मरकाम उर्फ बुद्धू और असलाल घर से परिजनों के सामने उठा ले गए। उस पर धान और पैसे चोरी करने का आरोप लगाया। दोनों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की, फिर आधी रात को उसे अधमरा हालत में वापस घर छोड़ गए।

सुबह परिजन ले गए थे अस्पताल: लक्ष्मण रात में सो गया। मंगलवार सुबह उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन 9 बजे अमलीपदर अस्पताल ले गए, जहां शुरुआती इलाज के बाद प्राइवेट अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन परिजन आर्थिक तंगी के चलते चलते उसे घर ले जाने लगे। इसी दौरान 10 बजे उसने रास्ते में दम तोड़ दिया।

मारपीट के निशान नहीं, अधिक शराब पीया था- डॉक्टर: इस मामले में अमलीपदर अस्पताल की डॉक्टर ज्योति राठौड़ का कहना है कि, जब युवक को अस्पताल लाया गया, तो वो बेहोश था। लेकिन उसके शरीर पर मारपीट के कोई निशान नहीं मिले हैं। ज्यादा शराब सेवन करने से तबीयत बिगड़ने की गुंजाइश दिखी।

मरीज को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इसलिए उसे हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन परिजन अपने घर ले गए। बाद में सूचना मिली की उसकी मौत हो गई है।

हत्या किए जाने की आशंका-एएसपी: एएसपी जितेंद्र चंद्राकर का कहना है कि, लक्ष्मण की कल शाम 4 बजे बुद्धू राम और असलाल ने मारपीट की थी। शुरुआती जांच में मामला हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पता चला है कि, लक्ष्मण ने दोनों के लिए कुछ खाना बनाया था।

100 रुपए को लेकर हुआ था विवाद: जिसके एवज में उनका 100 रुपए ले लिया था। इसी के चलते विवाद हुआ था। दोनों युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरों से भरी पिकअप पलटी

20 घायल, 30 लोग सवार थे, निंदाई के लिए खेत जाते समय हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, धमतरी एजेंसी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में पिकअप वाहन पलटने से 20 मजदूर घायल हो गए। सभी मजदूर खेत में निंदाई कार्य करने के लिए जा रहे थे, सामने से आ रहे पिकअप ने मजदूरों से भरे पिकअप को टक्कर मार दी, जिससे पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गया। घायलों को जिला अस्पताल धमतरी में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पलटकर रोड किनारे गड्ढे में गिरी पिकअप: ग्राम कोर्रा से रोज की तरह 30 महिला-पुरुष मजदूर पिकअप वाहन में सवार होकर खेत मे निंदाई कार्य करने के लिए जा रहे थे। पिकअप पलट कर रोड किनारे गड्ढे में गिर गई, जहां पर चीख पुकार मच गई।

आसपास के लोगों ने दबे हुए मजदूरों को निकाला: आसपास के लोगों ने दबे हुए मजदूर को बाहर निकाला और धमतरी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों ने बताया कि ग्राम बेल्हारी चौक के पास सामने से आ रही पिकअप ने ठोकर मारी, जिससे यह हादसा हुआ। जिला अस्पताल के डॉक्टर का कहना है कि सभी घायलों का इलाज जारी है और सभी खतरे से बाहर है।

पति ने झाड़ू वाले डंडे से पत्नी का फोड़ा माथा

रायपुर एजेंसी। रायपुर में पति ने अपनी पत्नी का जाला झाड़ू के डंडे से माथा फोड़ दिया। आरोपी पति ने नशे की हालत में खाना नहीं देने पर विवाद किया था। मारपीट के बाद महिला को गंभीर हालत में मेकाहारा अस्पताल में भर्ती किया गया। तेलीबांधा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। पीड़ित महिला ने बताया कि वह तेलीबांधा इलाके की रहने वाली है। महिला ने बताया कि 28 सितंबर को आरोपी पति ने रात 2 बजे वारदात को अंजाम दिया है।

खाना मांगा और विवाद करने लगा: महिला ने बताया कि उसकी 14 साल पहले अहमद कुरैशी से शादी हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। वह घरेलू काम करके अपना जीवन चलाती है। पति नशे की हालत में घर आया था। गाली गलौज कर रहा था। रात करीब 2 बजे आरोपी पति ने खाना मांगा और झगड़ा शुरू कर दिया।

पीछे से किया हमला: पीड़िता ने बताया कि पति को खाना देने के लिए किचन में गई। इसी दौरान आरोपी इरशाद जाला निकालने वाले झाड़ू से सिर पर हमला कर दिया, जिससे महिला के माथे से खून निकलने लगा।

समाज कल्याण विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया गया

वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों को लेकर किया गया विशेष चर्चा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। आज समाज कल्याण विभाग द्वारा जिला मुख्यालय एमसीबी में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और सम्मान को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इस दिवस का उद्देश्य समाज में वृद्धजनों की भूमिका और उनकी जरूरतों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में जिले के प्रतिष्ठित वरिष्ठ नागरिकों और समाजसेवियों की उपस्थिति में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें वृद्धजनों के स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और जीवन गुणवत्ता पर चर्चा की गई। इस अवसर पर वृद्धजनों के अनुभवों से सीखने और उन्हें सम्मान देने की विशेष बात पर जोर दिया गया। समाज कल्याण विभाग ने इस दिन को वृद्धजनों के साथ संवाद स्थापित करने और उनकी आवश्यकताओं को समझने के लिए समर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे वरिष्ठ साहित्यकार श्री वीरेंद्र श्रीवास्तव और इंद्रा सेंगर (रिटायर्ड प्रिंसिपल) ने वृद्धजनों को श्रीफल और शाल भेंट कर उनका सम्मान किया गया । उन्होंने वृद्धजनों के योगदान को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके प्रति गहरा सम्मान प्रकट किया।

इस विशेष अवसर पर जिले के प्रतिष्ठित वरिष्ठ नागरिक, जैसे सतीश उपाध्याय, रामेश्वर सिंह, पुष्कर तिवारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कलेक्टर जनदर्शन में अपने समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे आम नागरिक

आज कलेक्टर जनदर्शन में 34 आवेदन हुए प्राप्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीणजन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 34 आवेदन प्राप्त हुए।

आज के जनदर्शन में आवेदक डालूराम चेरवा निवासी डिहुली ने समाज कल्याण विभाग द्वारा विकलांग कोटा से पुत्र के इलाज के संबंध में, मुनमुन जैन निवासी चिरमिरी महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिए जाने के संबंध में, मो. क्यूम खान निवासी मनेंद्रगढ़ बिल का भुगतान न किए जाने के संबध में, भवन सिंह पावले निवासी डोमनापारा सौर ऊर्जा टंकी पानी के संबंध में, सोन कुमारी निवासी मुक्तियार पारा ट्री गार्ड की राशि भुगतान करने के संबंध में, कुन्ती बाई निवासी सलका भूमि के संबंध में, राधा निवासी बेलबहारा भूमि के संबंध में, बलराम सिंह निवासी चिरमिरी क्षतिपूर्ति राशि दिलाने के संबंध में, राकेश कुमार शरद निवासी मनेंद्रगढ़ विकलांग व्यक्ति को पुनः नौकरी में लिए जाने के संबंध में, नईम खान निवासी मनेंद्रगढ़, भूमि के संबंध में, कौशिल्या निवासी मनवारी ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों व्दारा हो रहे भ्रष्टाचार एवं दलाली प्रथा के संबंध में, बृजलाल निवासी सलका भूमि के संबंध में, अरविन्द कुमार निवासी मनेंद्रगढ़ नवगठित जिला एमसीबी में जवाहर नवोदय विद्यालय खोलने के संबंध में, महिला प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार निवासी मनेंद्रगढ़ शासकीय उचित मूल्य की दुकान आई. डी. क्रमांक 531002011 को स्थगित करने के संबंध में, पार्वती निवासी लालपुर विधवा पेंशन न मिलने के संबंध में, बाबी बाई निवासी घटाई भूमि का पट्टा प्राप्त कराने के संबंध में, देवकी निवासी घटाई भूमि के संबंध में, सुमित्रा निवासी घटाई भूमि के संबंध में, जवाहर प्रसाद निवासी छिपछिपी सुरेश सिंह के द्वारा मारपीट करने के संबंध में, पूर्व सरपंच निवासी सोस प्रा.शा. सोस में शिक्षक नियुक्त करने के संबंध में, सीमा हस्सा निवासी आमाखेरवा भूमि के संबंध में, टिंकू अग्रदरी निवासी चिरमिरी व्यक्तिगत अपकृत्य कर जान माल की सुरक्षा खतरे में डाले जाने के संबध में, रेहाना परवीन निवासी मनेंद्रगढ़ शासकीय उचित मूल्य की दुकान आई. डी. क्रमांक 531002012 के आबंटन किए जाने के संबंध में, मुनमुन जैन निवासी चिरमिरी महिला स्वावलंबन कार्य हेतु भवन उपलब्ध कराने के संबंध में, विनय प्रताप सिंह निवासी ताराबहरा कार्यालय नहीं खोलने व लापरवाही करने के संबंध में, मीरा सरकार निवासी खोंगापानी आवास के संबंध में, शंकर सिंह मार्को निवासी भुमका पेंशन भुगतान के संबंध में, सोनू निवासी झगराखाण्ड समस्या का समाधान करने के संबंध में, राधा सिंह निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में, रामकरन निवासी तेंदुडाड भूमि के संबंध में, लाखमन निवासी सलका जारी निरस्तीकरण आदेश की जानकारी के संबंध में, समस्त मोहल्लेवासी निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में, समस्त मोहल्लेवासी निवासी मनेंद्रगढ़ सी सी सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाए जाने के संबंध में और राधा निवासी कदरेवा सुभमा वत्ती शिक्षक पूर्व माध्यमिक शाला कदरेवा के विरुद्ध शिकायत के संबंध में शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे ।

जिले में गुमशुदा बच्चों की खोजबीन हेतु चलाया गया विशेष अभियान ''आपरेशन मुस्कान''

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। पुलिस मुख्यालय रायपुर एवं पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज सरगुजा के द्वारा 01 सितंबर से 30 सितंबर 2024 तक 30 दिवस के भीतर राज्य में विशेष अभियान "आपरेशन मुस्कान" चलाये जाने के निर्देश प्राप्त हुए थे। निर्देश के परिपालन में पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह के निर्देशानुसार पुलिस विभाग द्वारा जिले में गुम बच्चों की दस्तयाब हेतु विशेष अभियान "आपरेशन मुस्कान" के तहत 01 सितंबर 2024 की स्थिति में 10 बालक एवं 14 बालिका कुल योग 24 तथा माह सितम्बर 2024 में कुल 05 बालिका गुम हुये। बरामद बच्चों में वर्ष 2021 का 02 बालिका, वर्ष 2024 माह फरवरी 01 बालिका, मई 01 बालिका, अगस्त का 01 बालिका एवं माह सितम्बर का 04 बालिका को बरामद किया गया है।

अभियान के दौरान 1 सितंबर 2024 से 30 सितंबर 2024 तक कुल 10 बालिकाओं को बरामद किया गया है। जिसमें थाना सिटीकोतवाली मनेन्द्रगढ़ से 03 बालिका 09, 13 30 सितंबर 2024 को बरामद किया गया, थाना झगराखाण्ड से 02 बालिका 10 एवं 20 सितंबर 2024 को बरामद किया गया, थाना केल्हारी से 03 बालिकाओं को 03, 13 एवं 20 सितंबर 2024 को बरामद किया गया है, थाना जनकपुर से 01 बालिका को 02 सितंबर एवं थाना खडगवां से 01 बालिका को 25 सितंबर 2024 को बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया गया है। 01 अक्टूबर 2024 की स्थिति में 10 बालक एवं 09 बालिका कुल 19 बच्चों का पता तलाश किया जा रहा है। अदम दस्तयाब बालक बालिकाओं को इकाई स्तर पर टीम गठित कर बरामदगी का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

आर्मी चीफ बोले- चीन के साथ हालात स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि चीन के साथ भारत के हालात स्थिर हैं, लेकिन ये सामान्य नहीं हैं, काफी संवेदनशील हैं। चीन के साथ हमें लड़ना भी है, सहयोग करना है, साथ रहना है, सामना करना है और चुनौती भी देनी है। चीन के साथ रिश्ते बहुत उलझे हुए हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि हम चाहते हैं चीन के साथ हालात अप्रैल 2020 के पहले जैसे हो जाएं। फिर चाहे वह जमीन के कब्जे की बात हो या बफर जोन बनाए जाने की बात हो। जब तक पहले जैसे स्थिति बहाल नहीं होती, तब तक हालात संवेदनशील बने रहेंगे और हम किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सबसे बड़ी क्षति हमारे विश्वास की हुई है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच अप्रैल से अब तक कमांडर लेवल की 17 बैठकें हुई हैं। इन बैठकों में हमने कई मुद्दों पर चर्चा की है। अब जब दोनों तरफ मुश्किल हालात हैं, तो हमें ऐसा रास्ता ढूंढना होगा जिसमें दोनों को फायदा हो। विदेश मंत्रालय बोला- बैठकों की मदद से तनाव खत्म करने की कोशिशें जारी हैं इससे पहले सितंबर की शुरुआत में विदेश मंत्रालय ने भारत-चीन रिश्तों के मौजूदा हालात को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने कहा था कि बातचीत जारी रखने और वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन बैठकों के माध्यम से तनाव को सुलझाने की कोशिशें जारी हैं।

सीजेआई बोले- मेरी विश्वसनीयता दांव पर है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने वकीलों की उस प्रैक्टिस की निंदा की, जिसमें एक ही मामले को अलग-अलग वकील तत्काल सुनवाई के लिए लिस्ट कराते हैं। उन्होंने कहा- वे ऐसा नहीं होने देंगे, क्योंकि इससे उनकी व्यक्तिगत विश्वसनीयता दांव पर लग जाती है। वकील केस लिस्ट कराने के लिए जोखिम उठाते हैं। इस प्रथा को रोका जाए। सीजेआई ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश के रूप में मेरे पास जो भी थोड़ा बहुत विवेक है, उसका इस्तेमाल कभी भी आपके पक्ष में नहीं किया जाएगा, क्योंकि इस अदालत को धोखा देने की कोशिश की जा रही है। तीन अलग-अलग वकील लाओ और देखो, जज पलक झपकाते हैं और आपको आदेश मिल जाता है। इस अदालत में यही हो रहा है। मैं ऐसा नहीं करूंगा। दरअसल, मंगलवा को एक वकील ने खनन पट्टे की समाप्ति से संबंधित एक मामले को तत्काल सुनवाई के लिए लिस्ट कराया था। इसी पर सीजेआई ने टिप्पणी की । डांट सुनने के बाद वकील ने बताया कि वह पुणे का रहने वाला है। वह मराठी में दलीलें देने लगा, इस पर सीजेआई ने भी मराठी में ही उसे समझाने की कोशिश की। दरअसल, याचिका पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के खिलाफ इन हाउस जांच की मांग को लेकर लगाई गई थी। सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकील से केस से पूर्व सीजेआई का नाम हटाने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट ने ईशा फाउंडेशन के क्रिमिनल केस की डिटेल मांगी

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाई कोर्ट ने सोमवार को पुलिस को आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा फाउंडेशन के खिलाफ दर्ज सभी क्रिमिनल केस की जानकारी देने का निर्देश दिया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को 3 डीएसपी समेत 150 पुलिसकर्मियों ने आश्रम में तलाशी ली। पुलिस ने आश्रम में रहने वाले लोगों और कमरों की जांच की। दरअसल, तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने फाउंडेशन के खिलाफ याचिका लगाई है।

मुख्यमंत्री ने पुणे में रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी संस्थान की राष्ट्रीय चर्चा में किया संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर ने सच्चे अर्थों में सनातन संस्कृति की ध्वजा को लहराने का कार्य किया। अठाहरवीं शताब्दी में लगभग 28 वर्ष के उनके शासन में प्रशासनिक कुशलता, जन-कल्याण, सुशासन के अनेक दृष्टांत प्रस्तुत किए।

लोकमाता अहिल्या बाई की 300वीं जयंती पर मध्यप्रदेश में कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। आज गौरवशाली इतिहास वाले पुणे में रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी संस्था के राष्ट्रीय चर्चा कार्यक्रम में आकर पुणे नगरी को प्रणाम करते हुए यहाँ शिवाजी महाराज, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक की स्मृति को नमन है, जिनके कारण पुणे महानगर का स्पंदन पूरा राष्ट्र महसूस करता है। पुणे महानगर प्रकारांतर से इंदौर और उज्जैन की तरह प्रतीत होता है। राष्ट्रीय चर्चा में राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े भी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्य वक्ता पद्मश्री सुश्री निवेदता ताई भिड़े उपाध्यक्ष स्वामी विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के अलावा श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी, महिला विद्यापीठ मुंबई की कुलगुरू डॉ. उज्जवला चक्रदेव, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी संस्थान के पदाधिकारी श्री विनय सहस्त्रबुद्धे ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को पुणे के जानकी देवी बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज ऑडिटोरियम में पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होलकर और उनके जन कल्याणकारी सुशासन विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

बुलडोजर एक्शन पर फैसला आने तक सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलडोजर एक्शन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि फैसला आने तक देशभर में बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी रहेगी। अभी सुप्रीम कोर्ट ने फैसले की तारीख तय नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि बुलडोजर एक्शन पर रोक में अवैध अतिक्रमण शामिल नहीं होगा। सड़क हो, रेल लाइन हो, मंदिर हो या फिर दरगाह, अवैध अतिक्रमण हटाया ही जाएगा। हमारे लिए जनता की सुरक्षा ही प्राथमिकता है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा।

उन्होंने कहा- बुलडोजर एक्शन के दौरान आरोप लग रहे हैं कि समुदाय विशेष को निशाना बनाया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- भारत धर्मनिरपेक्ष देश है। हम जो भी गाइडलाइन बनाएंगे, वो सभी के लिए होगी। लॉ वेबसाइट लाइव लॉ के सोशल मीडिया पर कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट पर दी गई दलीलों और निर्देशों का ब्योरा दिया गया। एक याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े ने बेंच से पूछा- अगर किसी का घर

गिराया गया तो वो क्या करेगा। क्या वो बुलडोजर चलाने वाले के पीछे भागेगा? इस पर जस्टिस गवई ने कहा कि अगर आदेश नहीं माना गया तो एक्शन को सुधारा जाएगा। प्रॉपर्टी का नवीनीकरण होगा और पीड़ित को मुआवजा दिया जाएगा। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने सुझाव दिया कि नवीनीकरण और मुआवजे की रकम तोड़फोड़ करने वालों से ली जाए। इसके बाद जस्टिस गवई ने जस्टिस विश्वनाथन की ओर इशारा करते हुए कहा- मेरे भाई यह पहले ही कह चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर में 65 प्रतिशत वोटिंग

श्रीनगर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुणे में शिवाजी महाराज की सरिता की धारा के अलग-अलग तट के हिस्से दिखाई देते हैं। इसके साथ ही सिंधिया, होलकर वंश के शासकों सहित लोक माता के कार्यों का स्मरण सहज ही हो जाता है। पेशवा बाजीराव जी और सिंधिया जी का सहयोग वर्तमान के महाकाल मंदिर उज्जैन के कायम रहने का आधार बना। हमारे शासकों ने उस दौर में महाकाल मंदिर का निर्माण किया, जब बाहरी आक्रामक विभिन्न नगरों को ध्वस्त करने के लिए तैयार बैठे थे। छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस और लोकमाता अहिल्या देवी के लोक कल्याणकारी कार्यों का स्मरण आज पूरा राष्ट्र कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में भगवान विश्वनाथ जी के देवस्थान में जाने का अवसर मिलता है तो हम उनके दर्शन से

अभिभूत होते हैं। यह सुअवसर भी लोकमाता अहिल्या बाई ने दिया, यह मंदिर उनकी ही देन है। लोकमाता अहिल्या बाई ने द्वारका, सोमनाथ और कई अन्य स्थानों पर ऐसे प्रकल्प संचालित किए। वे प्रशासनिक कुशलता, युक्ति एवं बुद्धिमत्ता से कार्य करती थीं। उनके साथ सहकर्मी सेनापतियों ने भी आर्थिक लाभ के लिए छल किए, लेकिन लोकमाता समाधान का मार्ग निकालने में पीछे नहीं रहीं। उन्होंने अनेक इलाकों में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कुंओं के निर्माण, उद्यानों के निर्माण, प्याऊ प्रारंभ करने, सड़कों के निर्माण और सुधार कार्य, अन्न क्षेत्र प्रारंभ करने, मंदिरों में विद्वानों की नियुक्ति और खेती-बाड़ी के कार्यों से लोगों को जोड़कर सम्पूर्ण समाज को बदलने का कार्य किया। वे एक माँ का प्रतिरूप थीं। अनेक दुखों को सहते हुए उन्होंने शासन के ऐसे सूत्र संचालित किए, जो सर्व कल्याण के भाव का उदाहरण है। उनके राज्य में दो तरह की धन राशि का प्रावधान था।

मध्य प्रदेश के 22 श्रद्धालु नेपाल की बाढ़ में फंसे, बिहार में 8 लोग बहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश नेपाल में बीते कई दिनों से जारी भारी बारिश का असर भारत के बिहार में देखने को मिल रहा है। वहीं, पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए नेपाल गए मध्य प्रदेश के 22 श्रद्धालु काठमांडू में फंस गए हैं। काठमांडू से लौटने के दौरान काबरे जिले में ब्रिज और सड़कें बाढ़ में बह गए। इसके कारण श्रद्धालु यहां फंसे हैं। उनका कहना है हम भूखे-प्यासे हैं और इंडियन एम्बेसी कोई मदद नहीं कर रही है। हमें सुरक्षित बाहर निकाला जाए। इधर, देश में मानसून सीजन अब खत्म होने की कगार पर है। बिहार-क्क में बाढ़ से तबाही जारी है। बिहार के 16 जिले में 10 लाख आबादी प्रभावित है। 30 सितंबर को अलग-अलग जिलों में 8 लोग बह गए। एक महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने बताया कि नेपाल में बारिश ने 56 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पड़ोसी देश ने 6 लाख 50 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा है। इससे बिहार में 56 साल बाद कोसी में इतना ज्यादा पानी आया है। बीते 24 घंटे में अलग-अलग जिलों में 7 से ज्यादा बांध टूट गए हैं। यूपी में 4 दिनों से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज भी 50 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

वाराणसी के 14 मंदिरों से साईंबाबा की मूर्तियां हटाईं

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में सनातन रक्षक दल ने मंगलवार, 1 अक्टूबर को 14 मंदिरों से साईं बाबा की मूर्तियां हटा दीं। दल के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि सनातन मंदिर में सनातन देवी-देवता होने चाहिए। समाजवादी पार्टी ने कहा- ये लोग काशी का माहौल खराब कर रहे हैं।

साईं बाबा की कुछ मूर्तियों को गंगा में विसर्जित किया गया और कुछ को उनके मंदिरों में पहुंचाया जा रहा है। सनातन रक्षक दल ने अभी 100 और मंदिरों की लिस्ट बनाई है। तीन दिन पहले शहर के सबसे प्रमुख बड़ा गणेश मंदिर से साईं बाबा की मूर्ति को हटाकर गंगा में विसर्जित किया गया था। पुरुषोत्तम मंदिर से भी मूर्ति हटाई जा चुकी है। इसके अलावा कई मंदिरों में मूर्तियों को सफेद कपड़े में लपेट कर रख दिया गया है। इस अभियान का आगाज शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने किया था। अब सनातन रक्षक दल इस अभियान को आगे बढ़ा रहा है। बड़ा गणेश मंदिर के पास रहने वाले बुजुर्गों से भास्कर ने बात की। उन्होंने कहा, आज हमने देखा साईं बाबा की मूर्ति यहां से हटा दी गई थी।

अगर सनातन मंदिर में साईं की मूर्ति से आपत्ति थी तो उसे लगाना ही नहीं चाहिए था, अगर लगा दिया तो उसे सम्मान से हटाते। इस तरह गलियों में मूर्ति के टुकड़े फेंक देना उचित नहीं है। हालांकि टुकड़े मूर्ति के नहीं, बल्कि सिंहासन से जुड़े हैं। एक और बुजुर्ग ने कहा- इस तरह मूर्तियों को लगा कर उन्हें हटा देना गलत है। रविवार को बड़ी संख्या में सनातन रक्षक दल के सदस्य लोहटिया स्थित बड़ा गणेश मंदिर पहुंचे थे।

बंगाल गवर्नर की ममता बनर्जी को चिट्ठी

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में केंद्र से मिले 1.17 लाख करोड़ रुपये के खर्च का ब्योरा मांगा है। इसके लिए उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेटर लिखा है। अधिकारियों ने बताया, गवर्नर को जानकारी मिली थी कि राज्य सरकार ने संवैधानिक दायित्व का उल्लंघन करते हुए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की कई रिपोर्ट्स विधानसभा में पेश नहीं की हैं। इसी वजह से उन्होंने लेटर लिखकर रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा बोस ने राज्य सरकार को सीएजी रिपोर्ट विधानसभा में पेश करने की कार्यवाही शुरू करने का भी सुझाव दिया है। साथ ही राज्य की राजकोषीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने का भी आग्रह किया है। लेटर में उन्होंने फिस्कल डेफिसिट जैसे कुछ मुद्दों को भी उठाया है। राज्य का फिस्कल डेफिसिट 2018-19 में 33,500 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में करीब 49,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। कुल रेवेन्यू में से अकेले केंद्र ने 1.17 लाख करोड़ दिए लेटर में बोस ने लिखा है कि राज्य सरकार को वित्त आयोग से भी लाभ मिला है। 2023-24 में पश्चिम बंगाल के रेवेन्यू 2.13 लाख करोड़ रुपए में से अकेले केंद्र ने 1.17 लाख करोड़ दिए, जो राज्य के कुल रेवेन्यू का लगभग 55 प्रतिशत था। बोस ने यह भी कहा कि बंगाल सरकार ने सीएजी की छह ऑडिट रिपोर्ट अभी तक विधानसभा में पेश नहीं की हैं। उन्होंने अनुच्छेद 151 के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि इस आर्टिकल के तहत राज्य के खातों से संबंधित सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट गवर्नर को सौंपी जानी चाहिए।

हरियाणा में पूर्व मंत्री ने भाजपा छोड़ी

कोसली (एजेंसी)। हरियाणा के रेवाड़ी जिले में भाजपा को झटका लगा है। यहां कोसली विधानसभा से टिकट कटने से नाराज पूर्व मंत्री बिक्रम यादव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। बिक्रम ठेकेदार ने पत्र के जरिए भाजपा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेजा। बिक्रम ठेकेदार कोसली हलके से भाजपा सरकार में मंत्री रह चुके हैं। वह टिकट कटने से नाराज चल रहे थे और पार्टी उम्मीदवार प्रचार में भी नहीं जा रहे थे। उन्होंने टिकट कटने के बाद अपने समर्थकों की जनसभा बुलाकर पार्टी के नेताओं पर हमला बोला था और चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। हालांकि, उन्होंने नॉमिनेशन नहीं

किया। भाजपा अध्यक्ष को भेजे पत्र में बिक्रम यादव ने लिखा, वह पार्टी से राष्ट्रवादी विचारधारा और आदर्श राजनीति के लिए जुड़े थे, लेकिन पार्टी अपने देश प्रथम, दल द्वितीय और व्यक्ति तृतीय के साथ ही कार्यशैली से भटक चुकी है। पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और अनुशासन को कमजोर समझने लगी है। इस करण में पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं। पूर्व मंत्री बिक्रम ठेकेदार कल कांग्रेस जॉइन कर सकते हैं। कोसली के बेरली में कल कांग्रेस उम्मीदवार के लिए रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा एक जनसभा करेंगे। माना जा रहा है कि पूर्व मंत्री कल बेरली में ही सांसद दीपेंद्र हुड्डा की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी जॉइन करेंगे।

बिक्रम यादव 2014 में कोसली विधानसभा से भाजपा से विधायक चुने गए थे, और दक्षिण हरियाणा के सीनियर नेता राव इंद्रजीत सिंह की सिफारिश पर प्रदेश सरकार में उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया।

हालांकि, राव इंद्रजीत से मनमुटाव के कारण उनकी मंत्री पद से छुट्टी हो गई। इसके बाद वह पूर्व ष्टरू मनोहर लाल के नजदीकी हो गए। 2019 के चुनावों में भी वह टिकट के प्रबल दावेदार थे, लेकिन राव इंद्रजीत के विरोध के चलते उन्हें टिकट नहीं मिला।

पंजाब पंचायत चुनाव, नामांकन के दौरान आप कांग्रेस नेता भिड़े

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब में फिरोजपुर के कस्बे जीरा में पंचायत चुनाव के लिए पर्चा भरने को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेता आपस में भिड़ गए। दोनों तरफ से एक-दूसरे पर ईंट पत्थर बरसाए गए। यहीं नहीं गोलियां भी चलाई गईं। घटना में जीरा से पूर्व कांग्रेस विधायक और जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह जीरा गंभीर घायल हो गए। उनका एक फोटो सामने आया है, जिसमें उनके मुंह से खून बहता दिख रहा है। इसके बाद जीरा के समर्थक भड़क गए। इससे जीरा

शहर के क्लार्क टावर पर टकराव की स्थिति बन गई। इसको देखते हुए फिरोजपुर हेडक्वार्टर से और फोर्स मंगवाई गई। मौके के फोटो-वीडियो सामने आए हैं। जिसमें पुलिस के सामने ही एक पक्ष दूसरे पक्ष पर ट्रैक्टर ट्रॉली से पत्थर उठाकर मारते हुए नजर आ रहा है। साथ में पुलिस के सामने ही फायरिंग की। जानकारी के अनुसार किसी गांव से कांग्रेस समर्थक मंगलवार दोपहर को साथियों के साथ सरपंच पद के लिए नामांकन भरने के लिए जीरा चुनाव अधिकारी ऑफिस पहुंचे थे।

इस दौरान आप विधायक नरेश कटारिया और कांग्रेस के पूर्व विधायक कुलबीर सिंह जीरा के समर्थकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान दोनों के बीच लात-घूंसे चलने लगे। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच पुलिस के सामने ही पथराव शुरू हो गया।

रोहित-जायसवाल ने टेस्ट मैच में लगाया टी20 का तड़का

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरा और निर्णायक टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां तीन दिन बारिश के कारण मैच बाधित रहने के बाद चौथे दिन बांग्लादेश ने खेल को दोबारा शुरू करते हुए ग्रीन पार्क में 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जिसके बाद भारत की तरफ से बल्लेबाजी करने आए कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने शानदार शुरूआत भारत को दिलाई। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में टी20 का मजा दिलाया। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में इन दोनों ने मिलकर तीन ओर में ही 50 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। इसके बाद भारत ने इस मामले में टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाया है। फिलहाल रोहित शर्मा 11 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन उसी रफ्तार से जायसवाल और गिल ने पारी को आगे बढ़ाया। इससे पहले रोहित शर्मा और जायसवाल ने भारत को इस मामले में इंग्लैंड का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त किया। इंग्लैंड ने इसी साल ट्रेंट ब्रिज टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 4.2 ओवर में 50 रन ठोके थे, भारत ने तीन ओवर में ही ये कारनामा कर इंग्लैंड का रिकॉर्ड तोड़ डाला था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में किसी टीम द्वारा सबसे तेज पचासा रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर भी इंग्लैंड है जिसने, 1994 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4.3 ओलर में 50 रन बनाए थे।

रविंद्र जडेजा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच कानपुर में खेला जा रहा है। मैच के चौथे दिन भारतीय स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए हैं। खालिद अहमद उनका 300वां विकेट रहे। इसके साथ ही जडेजा ऐसा करने वाले भारत के कुल 7वें गेंदबाज और चौथे स्पिनर बने हैं। रविंद्र जडेजा के अलावा टेस्ट में भारत के लिए 300 या उससे ज्यादा विकेट अनिल कुंबले (619), आर अश्विन (524), कपिल देव (434), हरभजन सिंह (417), ईशांत शर्मा (311) और जहीर खान (311) ने लिए हैं। वर्ल्ड क्रिकेट की बात करें तो जडेजा 300 विकेट झटकने वाले दुनिया के 38वें गेंदबाज हैं। इसके अलावा वह भारत के पहले बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं, जिन्होंने 300 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में मुथैया मुरलीधरन के नाम सबसे ज्यादा विकेट (800) हैं। इसके साथ ही भारतीय धरती पर जडेजा ने पहला टेस्ट साल 2012 में खेला था। उन्होंने 46 मुकाबले खेले हैं और लगभग 20 की औसत से 219 विकेट लिए हैं। उन्होंने 11 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/42 का रहा है। उन्होंने 2 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट भी लिए हैं। जडेजा ने भारतीय सरजमीं पर सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कपिल देव (219) की बराबरी कर ली है। वहीं जडेजा के टेस्ट करियर की बात करें तो, उन्होंने अपना पहला टेस्ट 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था।

ओलंपिक पदक विजेताओं का सम्मान नहीं करने के लिए उषा ने कार्यकारी समिति के सदस्यों को लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि यह 'बेहद चिंताजनक' है कि कार्यकारी समिति के सदस्य ओलंपिक पदक विजेताओं को सम्मानित करने में विफल रहे। उन्होंने वित्त समिति पर पेरिस खेलों की भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी के लिए निर्धारित कोष को जारी करने से रोकने का आरोप लगाया। युवा निशानेबाज मनु भाकर के दो ऐतिहासिक कांस्य पदक सहित भारत ने पेरिस खेलों में छह पदक जीते लेकिन उषा ने कहा कि 'कार्यकारी समिति उनकी सफलता का जश्न नहीं मनाना चाहती' और इससे वह 'बेहद दुखी' हैं। उषा ने बयान में कहा, ''इन खिलाड़ियों ने देश को गौरवांवित किया है और यह आईओए की जिम्मेदारी है कि वे उस सम्मान के साथ उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाएं जिसके वे हकदार हैं। यह बेहद चिंताजनक है कि अगस्त के मध्य में (खिलाड़ियों के) स्वदेश लौटने के बावजूद कार्यकारी समिति इस बारे में चर्चा करने या औपचारिक सम्मान समारोह आयोजित करने की दिशा में कदम उठाने में नाकाम रही है।'' उन्होंने खुलासा किया कि ओलंपिक के लिए जाने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को दो लाख रुपये और प्रत्येक कोच को एक लाख रुपये का तैयारी अनुदान देने के प्रस्ताव को वित्त समिति, विशेषकर आईओए कोषाध्यक्ष सहदेव यादव ने रोक दिया।

300वां टेस्ट विकेट लेने के बाद रविंद्र जडेजा का बयान, कहा- यह बेहद खास उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट की उपलब्धि हासिल करने से खुश भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने कहा कि यह पल हमेशा उनके साथ रहेगा। बांग्लादेश के खिलाफ यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जडेजा इस प्रतिष्ठित आंकड़े तक पहुंचने वाले सातवें भारतीय गेंदबाज बनें। इस सूची में उनसे पहले अनिल कुंबले (619), आर अश्विन (524), कपिल देव (434), हरभजन सिंह (417), इशांत शर्मा (311) और जहीर खान (311) के नाम शामिल हैं। जडेजा ने चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद आधिकारिक प्रसारक से कहा, '' जब आप देश के लिए कुछ हासिल करते हैं तो यह काफी खास होता है। मैं 10 साल से टेस्ट खेल रहा हूं और अब इस उपलब्धि तक पहुंचा हूं। मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है और मुझे खुद पर गर्व है। मैं इसे लेकर खुश और अच्छा महसूस कर रहा हूं।'' जडेजा इस उपलब्धि को हासिल करने को लेकर और अधिक उत्साहित है क्योंकि उन्हें करियर के शुरुआती दिनों में सफेद गेंद प्रारूप(सीमित ओवर प्रारूप)का खिलाड़ी माना जाता था। उन्होंने कहा, '' यह खास है और हमेशा मेरे साथ रहेगा। एक युवा खिलाड़ी के रूप में मैंने सफेद गेंद के क्रिकेट से शुरुआत की और हर कोई मुझसे कहता था कि मैं सफेद गेंद वाला क्रिकेटर हूं। मैंने हालांकि लाल गेंद से कड़ी मेहनत की और आखिरकार सारी मेहनत सफल रही।'' भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने भी जडेजा की तारीफ करते हुए उन्हें गेंद का जादूगर करार दिया। उन्होंने दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' जडेजा एक संपूर्ण पैकेज हैं और उसके पास जादुई हाथ हैं। 300 विकेट क्लब में शामिल होना उनके लिए विशेष है।'' बायें हाथ के 35 साल के हरफनमौला के लिए यह उपलब्धि खास है क्योंकि 300

विकेट के साथ टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 3000 से अधिक रन भी है। जडेजा ने अपने 74वें टेस्ट में इस आंकड़े (300 विकेट और 3000 रन) को पूरा किया और वह इंग्लैंड के महान हरफनमौला इयान बॉथम के बाद इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी है। जडेजा ने उम्मीद जताई की भारतीय टीम बांग्लादेश के बाकी बचे आठ विकेट को जल्दी चटकाकर मंगलवार को श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने में सफल रहेगी। बांग्लादेश की टीम ने 26 रन पर दो विकेट गंवा दिये हैं। टीम अपनी दूसरी पारी में भारत से 26 रन पीछे है। जडेजा ने कहा, '' एक बल्लेबाज के तौर पर मैं क्रीज पर थोड़ा समय बिताना पसंद करता हूं।मैं गेंद की योग्यता पर रन बनाने की कोशिश करता हूं। अब हमें आठ विकेट चटकाकर लक्ष्य को हासिल करना होगा। उम्मीद है कि हमें ज्यादा बड़ा लक्ष्य नहीं मिलेगा।

कानपुर टेस्ट में केएल राहुल का बल्ला बोला, कपिल देव के खास क्लब में हुई एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। चौथे दिन बारिश बाधा नहीं बनी, ऐसे में मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। बांग्लादेश टीम पहली पारी में 233 रन पर सिमट गई। जवाब में टीम इंडिया ने तूफानी शुरुआत की। सभी भारतीय बल्लेबाजों ने आते ही बांग्लादेशी गेंदबाजों को खूब परेशान किया। वहीं केएल राहुल ने भी कानपुर टेस्ट में

ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने भारत को तूफानी शुरुआत दिलाई। इसके बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। इस बीच केएल राहुल ने 33 गेंदों में फिफ्टी जड़ी। इसके साथ ही वह दिग्गज कपिल देव के खास क्लब में शामिल हो गए। वह टेस्ट इतिहास में छठे सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। जबकि इस लिस्ट में टॉप पर ऋषभ पंत हैं।

बीसीसीआई ने दिया अपडेट, कहा- भारतीय टीम के पाकिस्तान दौरे पर फैसला...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सोमवार को कहा किराष्ट्रीय क्रिकेट टीम के अगले साल चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान के दौरे को लेकर अंतिम फैसला भारत सरकार को करना है। पाकिस्तान 19 फरवरी से नौ मार्च तक एकदिवसीय प्रारूप में खेले जाने वाले इस आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला है। शुक्ला ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ जारी दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल के इतर संवाददाताओं से कहा, ''अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।हमारी नीति यह है कि अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए हम हमेशा सरकार की अनुमति लेते हैं। यह सरकार तय करती है कि हमारी टीम को किसी देश के दौर पर जाना चाहिए या नहीं।'' उन्होंने कहा, '' इस मामले में भी सरकार जो भी फैसला करेगी हम उसका पालन करेंगे।'' मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों के बाद से भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ को द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है। दोनों टीमें का आमना सामना सिर्फ आईसीसी और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के टूर्नामेंटों में होता है। पाकिस्तान की टीम ने पिछले साल आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए सात साल के अंतराल के बाद भारत का दौरा किया था। बीसीसीआई आईसीसी से टूर्नामेंट को पाकिस्तान से हटाकर श्रीलंका या दुबई में आयोजित करने का अनुरोध कर सकता है। एशिया कप के बीते सत्र का आयोजन 'हाइब्रिड मॉडल' के तहत हुआ था। जिसमें भारत को अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। इससे श्रीलंका ने टूर्नामेंटों के नौ मैचों की मेजबान की थी जबकि पाकिस्तान ने शेष चार मैचों की मेजबानी की। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हालांकि चैम्पियंस ट्रॉफी को अपने देश से बाहर ले जाने के विचार के खिलाफ है। पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी हसल अली ने भी हाल ही कहा था कि अगर भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करता है, तो टूर्नामेंट को उनके बिना ही आयोजित करना चाहिए। आईसीसी अपनी ओर साफ कर चुका है कि वह किसी सदस्य बोर्ड को सरकार की नीति के खिलाफ जाने के लिए मजबूर नहीं करेगा।

क्रिकेटर हार्दिक पंड्या से अलग होने के बाद नताशा की जिंदगी में आया ये शख्स!

नई दिल्लीनई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक के अलग होने की खबरें कई समय तक चर्चाओं में रहीं। इसके बाद हार्दिक पंड्या का नाम ब्रिटिश सिंगर के साथ जुड़ा तो अब नताशा भी एक मॉडल के साथ समय बिताती नजर आ रही हैं। दरअसल, नताशा अपने बेटे अगस्त्य को लेकर सर्बिया गई हुई थी। इसी दौरान हार्दिक ने दोनों के अलग होने का ऐलान किया था। नताशा अब भारत वापस आ चुकी है और हार्दिक से दूर वह सेक्का के साथ चिल कर रही हैं। दोनों कभी जिम में साथ नजर आ रहे हैं तो कभी स्वीमिंग पूल में। बता दें कि, सेक्का (एलेक्जेंडर) ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया जिसमें नताशा पूल में फ्लोटर पर आराम करती नजर आ रही हैं। जबकि सेक्का पीछे से आते हैं और उन्हें गिरा देते हैं। अचानक से पानी में गिरते ही नताशा हैरान-परेशान हो गई। इस वीडियो कई लोगो खुद को कमेंट करते हुए नहीं रोक पा रहे हैं। वहीं बता दें कि, नताशा सेक्का को अपना भाई मानती हैं। वह कई मौकों पर सोशल मीडिया पर ये बता भी चुकी हैं। सेक्का भी नताशा

की तरह सर्बिया के रहने वाले हैं और भारत में बतौर फिटनेस ट्रेनर और मॉल काम करते हैं।

रोहित शर्मा ने सिक्स लगाने के मामले में बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। कानपुर टेस्ट में भारत की शुरुआत बेहद शानदार रही है। वहीं रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट मैच में टी20 का तड़का लगाकर सबको हैरान कर दिया। बता दें कि, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भले ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायमेंट ले लिया है, लेकिन फैंस ने उनको इसका आभास होने नहीं दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में टी20 क्रिकेट जैसी पारी खेली और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया।

बता दें कि, रोहित शर्मा दुनिया के पहले ऐसे ओपनर बन गए हैं, जिन्होंने अपनी पारी की पहली दो गेंदों में दो छक्के जड़े। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में जारी दूसरे टेस्ट मैच में दूसरे ओवर की शुरुआत लगातार दो छक्के जड़े। उन्होंने इस मैच में एक छोटी सी, लेकिन तूफानी पारी खेली और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

रोहित शर्मा दुनिया के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टेस्ट पारी की पहली दो गेंदों पर दो छक्के जड़े हैं। हालांकि, वे ऐसा करने वाले पहले ओपनर हैं, जबकि तीन अन्य क्रिकेटर मध्य क्रम या निचले क्रम में खेले हैं। इनमें फोफी विलियम्स का नाम शामिल हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर भी इस लिस्ट में हैं। उमेश यादव भी ये कारनामा कर चुके हैं। विलियम्स ने 1948 में जिम लैकर के खिलाफ ये कमाल किया था, जबकि 2013 में नाथन लियोन के विरुद्ध सचिन ने दो छक्के जड़े थे। उमेश यादव ने 2019 में जॉर्ज लिंडे के खिलाफ दो छक्के जड़े थे।

रोहित ने आतिशी अंदाज में बल्लेबाजी करते नजर आए। उन्होंने 11 गेंदों में 23 रनों की पारी खेली इसमें 1 चौका और 3 छक्के भी शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 209.09 का था। भले ही उनकी ये पारी छोटी थी लेकिन टीम इंडिया के लिए मजबूत शुरूआत थी।

विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर का तोड़ा रिकॉर्ड, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 27 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की है। भारत ने महज 25 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छू लिया। ये किसी भी टेस्ट पारी में टीम का सबसे तेज 200 रन है। इसके साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इसके अलावा भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजी विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में नई उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 27 हजार रन पूरे हो गए हैं जो कि सचिन तेंदुलकर के नाम था। बता दें कि, कानपुर टेस्ट के चौथे दिन रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने भारतीय पारी की शुरुआत बेहतरीन तरीके से की। दोनों बल्लेबाजों ने भारत को तूफानी शुरुआत देते हुए सबसे तेज 50 रन भारत के लिए पूरे किए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी इस गति को बरकरार रखते हुए सबसे तेज 100 रन, सबसे तेज 150, सबसे तेज 200 और सबसे तेज 250 न बनाने का रिकॉर्ड बनाया। सबसे तेज 100 और सबसे तेज 150 रन का रिकॉर्ड पहले भी भारत के ही नाम था। उसने 2023 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ जड़ा था। वहीं सबसे तेज 200 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था जिसे आज भारत ने तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ 2017 में 28.1 ओवर में सिडनी मैदान पर 200 रन जड़े थे। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 148 गेंद यानी 24.4 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छुआ। इस दौरान विराट कोहली अर्धशतक जड़ने से चूक गए, उन्होंने 35 गेंद में 47 रन बनाए और शाकिब अल हसन के शिकार बन गए।

चंन्द्राश्रय वृद्धाश्रम में किया गया वरिष्ठजनों का सम्मान

वृद्धजनों का ज्ञान और अनुभव समाज की धरोहर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर कलेक्टर अनुराग वर्मा ने मंगलवार को सतना शहर के नीमी स्थित चंन्द्राश्रय वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजनों का सम्मान किया। इस अवसर पर वरिष्ठजनों को उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण भी प्रदान किये गये।

कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि वृद्धजनों का ज्ञान और उनका अनुभव समाज के लिए एक अमूल्य धरोहर के रूप में होता है। जिससे प्रेरणा लेकर आने वाली पीढी अपने सुखद भविष्य और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि सतना के चन्द्राश्रय वृद्धाश्रम की चर्चा पूरे प्रदेश में होती है और सतना आने वाले समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिकारी गण यहां आकर वरिष्ठजनों से भेंट भी करते हैं।

उन्होंने कहा कि एक शांत और स्वस्थ वातावरण में यहां रह रहे बुजुर्गजन एक-दूसरे के दुख-सुख में परिवार की तरह सहभागी होते हैं। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनायें देते हुए बुजुर्गजनों को दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। कलेक्टर ने चन्द्राश्रय में उपस्थित प्रत्येक वरिष्ठजन के पास पहुंचकर पुष्पमाला, शाल-श्रीफल से सम्मानित किया। इस मौके पर उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह ने बताया कि सतना जिले में 5 और मैहर जिले में 1 वृद्धाश्रम संचालित है। राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठजनों के हितार्थ अब यह निर्णय लिया गया है कि वृद्धाश्रम को दी जाने वाली आर्थिक सहायता 6 माह के लिए एडवांस रूप में दी जाये। उन्होंने आश्रम संचालकों से अपील करते हुए कहा कि दिसंबर माह में सीए की आडिट और उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये। ताकि जनवरी से जून माह की आर्थिक सहायता राशि समय पर उपलब्ध कराई जा सके। कार्यक्रम को डॉ. लालता प्रसाद खरे पब्लिक चैरिटेबिल ट्रस्ट के ट्रस्टी राजाराम त्रिपाठी, कमलेश पटेल, वरिष्ठजन एडवोकेट केपी शर्मा ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कलेक्टर अनुराग वर्मा एवं अन्य ट्रस्टियों द्वारा महात्मा गांधी और चन्द्राश्रय के संस्थापक डॉ. लालता प्रसाद खरे के चित्र पर माल्यार्पण और समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। इस मौके पर चन्द्राश्रय वृद्धाश्रम के वरिष्ठजनों को आवश्यकतानुसार श्रवण यंत्र, कैलीपर्स, वाकर एवं स्टिक का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर अजय मल्होत्रा, मोहनलाल अग्रवाल, रमेश द्विवेदी, शुभम गोयल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक न्याय विभाग के कलाकार केके शुक्ला ने किया।

मॉक ड्रिल, सतना में बलवा, पुलिस पर पथराव

पुलिस कर्मियों ने भांजी लाठियां, खदेड़े गए उपद्रवी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना की पुलिस लाइन में मंगलवार को जमकर बवाल हुआ। उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस कर्मियों और उपद्रवियों के बीच धक्का-मुक्की, झूमा-झटकी हुई नतीजतन पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। एसपी भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने मोर्चा संभाला। पुलिस कर्मियों ने लाठियां भांजी और उपद्रवियों को खदेड़ा।

हालांकि हालात को देखते हुए वाटर कैनन मशीन, वज्र वाहन भी बुलाए गए और हालात पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले दागने की भी तैयारी कर ली गई थी।

दरअसल, सतना पुलिस ने मंगलवार को मॉक ड्रिल की थी। पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों ने बलवा ड्रिल का रिहर्सल और बलवा परेड की। इसके लिए माहौल को कुछ ऐसा बनाया गया था जिससे बलवा का माहौल बने। मॉक ड्रिल के दौरान एसपी आशुतोष गुप्ता भी मौजूद रहे। एडिशनल एसपी शिवेश सिंह बघेल एवं रक्षित निरीक्षक देविका सिंह ने पुलिस कर्मियों को रिहर्सल कराई। इस ड्रिल में जिले भर के 172 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। जबकि अश्रु गैस पार्टी, केन पार्टी, लाठी पार्टी, राइफल पार्टी एवं रिजर्व पार्टी भी इसमें शामिल हुईं।

अभ्यास के दौरान पुलिस लाइन और थानों के बल ने जनरल परेड एवं बलवा परेड का निरीक्षण भी किया। इसके साथ ही पुलिस कर्मियों को विभिन्न प्रकार के दंगा रोधी अस्त्रों की जानकारी दी गई, ताकि भविष्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए उन्हें सक्षम बनाया जा सके।

एसपी ने कहा- जरूरी है अभ्यासः पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की ड्रिल का नियमित अभ्यास अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे पुलिसकर्मी वास्तविक परिस्थितियों से बेहतर ढंग से निपटने के लिए तैयार होते हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को ऐसे अभ्यासों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए।

मैहर जिले में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन वृद्धाश्रम में संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अंतराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस के अवसर पर मंगलवार को मैहर मां शारदा प्रबंध समिति द्वारा संचालित वृद्धा आश्रम में कलेक्टर रानी बाटड़ एवं विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने श्रीफल, साड़ी एवं शॉल पहना कर वृद्धजनों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, एसडीएम विकास सिंह, डॉ वी के गौतम, सामाजिक न्याय पाण्डेय, राजलल्लन मिश्रा सहित वृद्धाश्रम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस को संबोधित करते हुए कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृद्ध जनों का सम्मान ही परिवार की खुशहाली है।

परिवार में वृद्धजन ही हमें जीने की नई राह सिखाते हैं। परिवार के बड़े बुजुर्गों से मिले अच्छे संस्कार ही जीवन की दिशा और दशा बदलते हैं इसलिए वृद्धजनों का सम्मान हमें सदैव करते रहना चाहिए। विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि मनुष्य का जीवन अपने माता-पिता का दिया हुआ रहता है यदि मनुष्य जीवन में अपने माता-पिता का त्याग कर दें तो उससे ज्यादा दुर्भाग्यशाली कोई नहीं होता मैं अपने माता-पिता के आशीर्वाद से ही आज इस मुकाम पर पहुंचा हूं।

जन सुनवाई में हुआ वृद्धजनों का सम्मान

जनसुनवाई में 71 प्रकरणों की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट की जन सुनवाई में आने वाले सभी वृद्धजनों को पुष्प माला पहनाकर सम्मान किया गया। इसके बाद उन्हें सुगर फ्री मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया गया और कुर्सी पर बैठाकर संवेदना के साथ उनकी समस्या सुनी गई। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वनखड़े, एसडीएम राहुल सिलाडिया, डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगड़े, उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार की जनसुनवाई में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे एवं डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे तथा एसडीएम राहुल सिलाडिया ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्यायें सुनी। जनसुनवाई में 69 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान जनसुनवाई में आए करही निवासी राजन प्रजापति, धवारी के इंद्रकुमार रैकवार और उतैली निवासी मंजू सिंह को अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े द्वारा ट्राईसिकिल प्रदान की गई।

जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

मुकुंदपुर में वन्यजीव संरक्षण सप्ताह का आयोजन आज से 8 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। संचालक महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एंड जू मुकुंदपुर ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एंड जू मुकुंदपुर में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2024 तक आमजन मानस में वन्य प्राणी संरक्षण के प्रति जनजागृति तथ रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से वन्यजीव संरक्षण सप्ताह वर्ष 2024 का मनाया जायेगा। जिसमें 2 अक्टूबर को स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगितायें आयोजित की जायेगी। 3 अक्टूबर को वन्य जीवों के संरक्षण एवं जागरूकता के लिये वन्यजीव विशेषज्ञों के साथ चर्चा कर वन्यजीव के संरक्षण एवं महत्व के बारे में जानकारी दी जायेगी। 4 अक्टूबर को ईको फ्रेंडली आर्ट से संबंधित प्रतियोगितायें आयोजित होंगी। 5 अक्टूबर को पर्यटकों स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा जू परिसर में पौध रोपण किया जायेगा। 6 अक्टूबर को वन्य प्राणी अंगीकरण कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें पर्यटकों द्वारा जू के वन्य प्राणियों के मासिक, त्रैमासिक, अर्द्ध वार्षिक एवं वार्षिक अवधि के लिए सुविधा अनुसार निर्धारित शुल्क का भुगतान कर गोद लेने कार्यक्रम एवं कार्यक्रम में भुगतान की गई राशि का 80 जी (5) के तहत आयकर में छूट प्रदान की जायेगी। 7 अक्टूबर को वन्यजीव योगा सत्र के लिए वन्य प्राणियों की मुद्रा में योग अभ्यास जैसे कोबरा, बिल्ली, गिद्ध मुद्रा तथा 8 अक्टूबर को वन्यजीव सप्ताह का परेड एवं रैली तथा पुरस्कार वितरण के साथ समापन किया जायेगा।

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विद्यालयों के प्राचार्य/प्रधान पाठक वन विभाग द्वारा जिला स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिात हेतु विद्यार्थियों के नाम महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एंड जू मुकुंदपुर के कार्यालय में ईमेल आईडी ूपजमजपहमतेंतिपतमूं/हउंपसण्ब वउ के माध्यम से भेजकर रजिस्टर करा सकते है। अधिक जानकारी के लिए महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एण्ड जू मुकुंदपुर कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 7828430037 पर सम्पर्क कर सकते है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

ऐप के माध्यम से इनकम टैक्स अधिकारी बताकर युवती से की थी दोस्ती

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के थाना मानिकपुर पुलिस ने एक युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने एक ऐप के माध्यम से युवती से दोस्ती की। फिर खुद को इनकम टैक्स अधिकारी बताकर उसे अपने जाल में फंसा लिया।

प्रभारी निरीक्षक दुर्ग विजय सिंह और उनकी टीम ने आरोपी युवक आकाश गंगवार को सरैया मुख्य सड़क मालिन टंकी के पास से गिरफ्तार किया। शिकायत के मुताबिक, युवक ने पहले एक ऐप के जरिए युवती से संपर्क किया। फिर उसे बहला-फुसलाकर शादी का झूठा वादा किया। इसके बाद वह युवती को कानपुर ले गया। वहां कई दिनों तक उसे घुमाता रहा। जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी फरार हो गया।

परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद अपनी बेटी को ढूंढा और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ कार्रवाई जारी है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी ने युवती के परिवार को भी धोखे में रखा था। जिससे वे भी उसकी बातों में आ गए थे। मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

सोयाबीन उपार्जन के लिए सतना जिले में बनाये गये 4 पंजीयन केन्द्र

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म.प्र. शासन के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत खरीफवर्ष 2024 विपणन वर्ष 2024-25 में ई-उपार्जन पोर्टल पर 25 सितंबर से 20 अक्टूबर 2024 तक सोयाबीन किसानों के पंजीयन का कार्य किया जायेगा। सोयाबीन उपार्जन हेतु सतना एवं मैहर जिले के लिए 5 पंजीयन केन्द्र बनाये गये है। जिसमें सतना जिले में 4 एवं मैहर जिले में 1 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किये गये है। सतना जिले के अंतर्गत तहसील नागौद में विपणन सहकारी समिति नागौद, तहसील उचेहरा अंतर्गत विपणन एवं प्रक्रिया समिति उचेहरा, तहसील रघुराजनगर अंतर्गत रामानुजम विपणन सहकारी समिति रामपुर बघेलान में पंजीयन केन्द्र बनाये गये है। इसी प्रकार मैहर जिले में तहसील मैहर अंतर्गत मां शारदा विपणन सहकारी समिति मर्यादित मैहर में पंजीयन केन्द्र निर्धारित किये गये है। पंजीयन केन्द्रों के अलावा किसान स्वयं के मोबाइल से, एमपी आनलाईन, कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर सीएससी कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र, निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे के माध्यम से पंजीयन करा सकते हैं। सोयाबीन उपार्जन हेतु किसानों द्वारा पंजीयन के समय आधारकार्ड, खसरा नकल एवं बैंक पासबुक की फोटोप्रति पोर्टल पर अपलोड की जाना अनिवार्य है। पंजीकृत कृषकों एवं रकबे का सत्यापन 25 सितंबर से 25 अक्टूबर तक किया जायेगा। शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2024 विपणन वर्ष 2024-25 में सोयाबीन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 4892 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित है।

एनएसएस के स्वंय सेवकों ने की तालाब की सफाई

राज्यमंत्री ने भी उठाया कचरा, निकाली जलकुंभी, स्वच्छता की लोगों को दिलाई शपथ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वच्छता ही सेवा, स्वभाव स्वच्छता कार्यक्रम के तहत सतना शहर के प्राचीन जगतदेव तालाब में साफ-सफाई की। कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयं सेवकों के साथ प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी भी शामिल हुईं। उन्होंने भी कचड़ा उठाया और स्वच्छता के प्रति सभी को जागरूक करते हुए शपथ दिलाई।

जगतदेव तालाब की सफाई का यह अभियान डिग्री कालेज सतना की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ क्रांति मिश्रा की अगुवाई में हुआ। मंगलवार को राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी की मौजूदगी में सतना के सरकारी और तमाम निजी कॉलेजों के राष्ट्रीय सेवा योजना के सेवा कर्मियों ने कंधे से कंधा मिलाकर - हाथ बढ़ा कर जगतदेव तालाब से जलकुंभी निकाली और कचरा उठाया।

इस मौके पर राज्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता के प्रति हर नागरिक को सजग रहना चाहिए। अगर हम स्वच्छ एवं साफ सुथरा रहेंगे तो हमें गंभीर बीमारियों से मुक्ति मिलेगी। साथ ही हमारा समाज भी स्वच्छ एवं स्वस्थ रहेगा।

उन्होंने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी बृजेश मिश्रा, नगर निगम इंजीनियर धर्मेंद्र सिंह परिहार, राजू साकेत व उनकी टीम एवं प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज सतना से कार्यक्रम अधिकारी डॉ भास्कर चौरसिया, कार्यक्रम अधिकारी डॉ महेंद्र तिवारी (एकेएस विश्वविद्यालय), कार्यक्रम अधिकारी दिलीप सिंह (विट्स कॉलेज), कार्यक्रम अधिकारी सुजाता सोनी (आदित्य कॉलेज) ने अपने अपने स्वयं सेवकों के साथ स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।

50वां उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह मैहर में 7 से 10 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर में प्रतिवर्ष होने वाली ख्यातिलब्ध उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह का 50वां आयोजन बड़े धूमधाम से 7 से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल और जिला प्रशासन मैहर के संयुक्त तत्वाधान में यह समारोह स्टेडियम ग्राउंड मैहर में प्रतिदिन अपरांह 4 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम में सभी नागरिकों का प्रवेश निःशुल्क होगा।

50वें उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह में देश के ख्यातिलब्ध कलाकारों के साथ ही चयनित क्षेत्रीय और स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां भी होगी। प्रथम दिवस 7 अक्टूबर को पूर्वरंग कार्यक्रम के तहत स्थानीय और क्षेत्रीय कलाकारों की शास्त्रीय गायन, वादन और नृत्य की प्रस्तुतियां होगी। इसी प्रकार 8 अक्टूबर को देवी गीत और मैहर वाद्य वृन्द से संगीत सभा की शुरुआत की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 8 अक्टूबर की संगीत सभा में आकांक्षी वर्मा सागर का देवी गीत, प्रेरणा जैन दिल्ली की नृत्य नाटिका, प्रेम मेहरा दिल्ली का भजन गायन मैहर वाद्यवृन्द का वृन्द वादन, नवनिका घोष गुरुग्राम का कत्थक समूह, इंद्राबुध मजुमदार कोलकाता का सरोद वादन और पं. साजन मिश्रा एवं स्वरांश मिश्रा नई दिल्ली का युगल गायन की प्रस्तुतियां होगी।

9 अक्टूबर को दुखीलाल दाहिया का देवी गीत, चक्रधर कल्चर सेंटर भोपाल की नृत्य नाटिका, बालाघाट की मुस्कान चौरसिया का भजन गायन, विदुषी सविता भट्टाचार्य कोलकाता का आडिसी समूह, अंशुल प्रताप सिंह भोपाल का तबला वादन, पंडित अभय रुस्तम सोपोरी दिल्ली का संतूर और पंडित उदय कुमार मलिक दिल्ली के गायन की प्रस्तुतियां होगी। इसी प्रकार 10 अक्टूबर को समारोह की समापन संध्या में जयंत विश्वकर्मा सागर का देवी गीत, रोजलीन सुन्दराय उड़ीसा की नृत्य नाटिका दीपक चौधरी भोपाल का भजन गायन, मैहर वाद्यवृन्द का वृन्दवादन, विदुषी कस्तूरी पटनायक दिल्ली का ओडिसी समूह, संजुक्ता दास कोलकाता का गायन, पंडित शशांक सुब्रमणियम चेन्नई का बांसुरी वादन तथा ज्योति चौधरी एवं समूह मैहर का शास्त्रीय वाद्यवृन्द की प्रस्तुतियां दी जाएगी।

दुर्गा पंडालों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

फूहड़ गाने बजाने पर होगी कार्रवाई, एसपी ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में आगामी नवरात्रि, दशहरा और अमावस्या पर्व को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में पीस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने की।

बैठक में अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कानून व्यवस्था और जनसुविधाओं के प्रबंधों पर चर्चा की। डीएम ने बिजली और जलापूर्ति से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने विशेष रूप से बिजली विभाग से कहा कि यदि कहीं तार लटके हुए हों, तो उन्हें तुरंत ठीक किया जाए।

जलापूर्ति और सफाई पर विशेष ध्यानः जल विभाग को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, सफाई और कूड़े के निस्तारण पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से बड़े पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं, बच्चों और पुरुषों के लिए अलग-अलग लाइन की व्यवस्था करने की बात की। मूर्ति विसर्जन के दौरान साउंड सिस्टम की सीमा का पालन करने और फूहड़ गाने न बजाने के लिए आयोजकों को निर्देश दिए गए।

धर्मगुरुओं और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से अपीलः बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने सभी धर्मगुरुओं और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से अपील की कि वे इन त्योहारों को आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की समस्या या विवाद की स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करने की अपील की गई।

उपस्थित अधिकारीः बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, विद्युत विभाग, जल निगम, जिला पंचायत अधिकारी समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी और पीस कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।